पटना ●रविवार, 01 सितम्बर 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:232 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

04 सितंबर को बच्चों को ... 3 www. bordernewsmirror.com फिल्म स्वयंभू के लिए... 8

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल की दूसरी मीटिंग में जोरदार हंगामा

- आठ घंटे चली इस मीटिंग में तमाम पक्षों को सुना गया, पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के लिए बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की दूसरी मीटिंग शुक्रवार को जोरदार हंगामा हुआ। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में चल रही इस मीटिंग में समिति ने ऑल इंडिया सुन्नी जमायितुल उलमा मुंबई, दिल्ली स्थित इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स, उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड और राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के लोगों को बुलाया गया और इस मुद्दे पर उनके विचारों को सुना गया। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल इन संस्थानों ने बिल में कई मुद्दों पर अपनी चिंता जताई। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टरों को वक्फ संपत्तियों का सर्वे करने और निर्णय लेने के लिए अंतिम फैसला लेने की शक्तियां दी जा रही हैं, जो कि गलत है। इसके अलावा इन सभी ने वक्फ बोर्ड में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर सरकार के इरादे पर भी सवाल उठाया। मुस्लिम संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समर्थन करते हुए तमाम विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में हंगामा किया।

टिकट कटने की संभावना से हरियाणा बीजेपी विधायकों में हड़कंप

- 5 ने दिल्ली में डेरा डाला, यादव बोले- मेरी सीट बदल दो, आरती राव अटेली से तय

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में बीजेपी के उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होने से पहले पार्टी में बवाल शुरू हो गया है। दक्षिण हरियाणा में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत के बढ़े दखल के बाद कई विधायकों की टिकट पर खतरा आ गया है। इनमें पटौदी से सत्यप्रकाश जरावता, गुरुग्राम से सुधीर सिंगला और कोसली से लक्ष्मण यादव का नाम शामिल है। विधायक लक्ष्मण यादव ने टिकट पर तलवार लटकने की चर्चा के बीच केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। यादव ने कहा कि उन्हें कोसली की जगह रेवाड़ी सीट दी जाए। वहीं अटेली से विधायक सीताराम यादव की भी टिकट कट सकती है। यहां से राव इंद्रजीत की बेटी आरती राव की टिकट फाइनल हो गई है। बावल सीट से भी बनवारी लाल की टिकट खतरे में है। इस सीट पर राव इंद्रजीत ने डॉक्टर संजय मेहरा का नाम दिया है।

कर्नाटक में राज्यपाल के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

- पार्टी ने निकाला मार्च, कहा-राजभवन किसी पार्टी का न बने कार्यालय

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्यपाल पद के कथित दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस ने राज भवन चलो मार्च आयोजित किया। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि इस मार्च का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज भवन किसी राजनीतिक दल का

कार्यालय न बने। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमने राज भवन चलो मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की ओर से आयोजित नहीं किया। यह मामला अदालत के विचाराधीन है...। उन्होंने कहा, राज भवन चलो मार्च यह सुनिश्चित करने के लिए है कि राज्यपाल का कार्यालय किसी पार्टी का कार्यालय न बने। हम इस संवैधानिक पद की शुचिता की रक्षा करने की मांग करते हैं।

राहुल गांधी को लेकर स्मृति ईरानी के बदल गए सुर!

कांग्रेस नेता की अलग राजनीति की पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की तारीफ

पहले राहुल ने भी स्मृति को लेकर कार्यकर्ताओं से की थी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी की फायर ब्रांड नेता मानी जाने वाली स्मृति ईरानी इन दिनों अपने एक बयान को लेकर काफी चर्चा में हैं। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बीते दिनों एक इंटरव्यू के दौरान स्मृति ईरानी राहुल गांधी की प्रशंसा करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस समय राहुल गांधी अलग तरह की राजनीति कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब स्मृति ईरानी राहुल गांधी को लेकर प्रतिक्रिया दी हो, लेकिन यह पहली बार है जब वो प्रशंसात्मक लहजे में नजर आईं। ईरानी ने राहुल गांधी को लेकर इंटरव्यू में कहा, 'जब वह (गांधी) जाति पर बोलते हैं, या संसद में टी-शर्ट पहनते हैं, तो उन्हें पता होता है कि युवा पीढ़ी को सफेद टी-शर्ट क्या संदेश देती है। हमें इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि वह जो भी कदम उठाते हैं, चाहे आपको वह पसंद हो या न हो या बचकाना लगे लेकिन वह अब अलग तरह की राजनीति कर रहे हैं।' यह बात स्मृति ईरानी ने सुशांत सिन्हा के पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान कही थीं। स्मृति ईरानी और राहुल गांधी के आपसी प्रतिद्वन्द्विता की बात करें तो साल 2014 के लोकसभा चुनाव से शुरू हुई। पूरे देश में मोदी लहर चल रही थी। भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ अमेठी से स्मृति ईरानी को राहुल गांधी के खिलाफ उम्मीदवार बनाया था। उस चुनाव में स्मृति ईरानी को हार जरूर मिली थी, लेकिन हार के बाद भी स्मृति ईरानी केंद्र में मंत्री बनीं।

फैसले जितनी जल्दी आएंगे भरोसा उतना ज्यादा बढ़ेगा

जिला अदालतों की कॉन्फ्रेंस में पीएम बोले-महिला सुरक्षा के लिए देश में कई कठोर कानून मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आज जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा-आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं। 2019 में सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की थी।

इसके तहत अहम गवाहों के लिए डिपोजिशन सेंटर्स का प्रावधान है। इसमें भी डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी की भूमिका अहम है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट जज, डीएम और एसपी शामिल होते हैं। इन कमेटी को और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचारों से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही अधिक आश्वासन मिलेगा।

कॉन्फ्रेंस में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल शामिल हुए। न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 सालों में देश ने ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 सालों में ही हुआ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। हमारे क्रिमिनल लॉ शासक और गुलाम वाली कोलोनियल सोच से आजाद हुए हैं। पिछले 10 सालों में अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए मिशन स्तर पर काम किया जा रहा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज का कार्यक्रम भी इसका उदाहरण है। अगले दो दिनों में लंबित मामलों के प्रबंधन, मानव संसाधन और कानूनी बिरादरी की बेहतरी समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसमें न्यायिक कल्याण पर एक सत्र भी शामिल किया गया है। दरअसल, कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल सरकार केंद्र से महिलाओं पर अपराध के लिए खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग कर रही है।

केरल के पलक्कड़ में आरएसएस का 3 दिनी 'मंथन' शुरू

- मोहन भागवत-जेपी नड्डा भी मौजूद, वायनाड पर दी गई जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शनिवार से बैठक शुरू हुई है। यह बैठक 2 सितंबर तक चलेगी। संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक के पहले दिन सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले भी मौजूद रहे। बीजेपी की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी बैठक में हिस्सा लिया। आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हर साल आयोजित की जाती है और यह 3 दिन की होती है। बैठक से पहले वायनाड में हुए भूस्खलन की जानकारी और स्वयंसेवकों द्वारा चलाए जा रहे राहत बचाव कार्य की जानकारी सभी प्रतिनिधियों को दी गई। अगले तीन दिनों तक इस बैठक में अलग-अलग संगठनों के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी संघ को साझा करेंगे।

किसान परेशान हो रहे हैं, उनकी समस्याओं का हल होना चाहिए

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंची विनेश फोगाट बोलीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर पर लंबे वक्त से किसान आंदोलन चल रहा है। शनिवार को इसके 200 दिन पूरे हो गए हैं। वहीं शनिवार को किसान बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और बड़े प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। इस बीच ओलंपियन विनेश फोगाट भी शंभू बॉर्डर पहुंच गई हैं। किसान नेताओं ने विनेश फोगाट का माला पहनाकर स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार इसी पंचायत के दौरान हरियाणा चुनाव को लेकर भी चर्चा हो सकती है, जिसमें विनेश फोगाट भी शामिल हो सकती हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हमारे संकल्प की परीक्षा ले रही है और अभी तक मांगे पूरी नहीं हुई है। विनेश फोगाट ने आंदोलन में कहा, उन्हें यहां बैठे हुए 200 दिन हो गए हैं। यह देखना दुखद है।

वे सभी इस देश के नागरिक हैं। किसान देश चलाते हैं। उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है, यहां तक कि एथलीट भी नहीं। अगर वे हमें खाना नहीं खिलाते हैं, हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। कई बार हम असहाय होते हैं और कुछ नहीं कर पाते।

पीएम मोदी ने तीन नई वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

- एक यूपी और दो दक्षिण भारत में दौड़ेंगी, रेल मंत्री भी रहे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें से एक मेरठ को लखनऊ से जबकि दो अन्य दक्षिण भारतीय शहरों मदुरै को बेंगलुरु और चेन्नई को नागरकोइल से जोड़ेंगी। मोदी ने हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिणी राज्यों का तेजी से विकास महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु और कर्नाटक के लिए बजटीय आवंटन में वृद्धि से दक्षिणी राज्यों में रेल परिवहन मजबूत हुआ है। मेरठ सिटी-लखनऊ वंदे भारत ट्रेन यात्रियों को दोनों शहरों के बीच मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग एक घंटे पहले पहुंचाएगी। इसी तरह, चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत से दो घंटे से अधिक समय और मदुरै-बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेन से करीब डेढ़ घंटे का समय बचेगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि हम अभी नहीं रुकेंगे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

संदीप घोष पर कसता जा रहा सीबीआई का शिकंजा

- सीबीआई का नया दावा, संदीप घोष से पहले पहुंची पुलिस
- क्राइम सीन पर आई सफाई पर भी है सस्पेंस, जांच हुई तेज

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि 9 अगस्त की सुबह जब कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष को इस घटना की जानकारी मिली, तब उनके घटना स्थल पर पहुंचने से पहले ही पुलिस वहां मौजूद थी। सीबीआई के सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और फोन कॉल की जांच के बाद सुबह करीब 10 बजे आरजी कर के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर सुमित राय तोपदार ने सबसे पहले संदीप घोष को फोन किया था। हालांकि, उस समय संदीप घोष नहा रहे थे, इसलिए उन्होंने तुरंत फोन नहीं उठाया। इसके बाद संदीप घोष ने खुद डॉक्टर तोपदार को वापस फोन किया। तोपदान ने संदीप घोष को घटना की जानकारी दी। इसके बाद घोष अस्पताल के लिए रवाना हो गए। अस्पताल पहुंचने के रास्ते में उन्होंने पुलिस, अस्पताल

के तत्कालीन सुप्रिटेंडेंट संजय बशिष्ठ और पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के तत्कालीन प्रमुख अरुणाभ दत्ता चौधरी को भी फोन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप घोष जब घटना स्थल पर पहुंचे तो वहां पहले से ही पुलिस मौजूद थी। 9 अगस्त की सुबह साढ़े 10 बजे तक पुलिस ने घटनास्थल को पूरी तरह से घेर लिया था।

छत्तीसगढ़ में कोयले के लिए जंगल की कटाई फिर शुरू

विरोध के बीच काटे जा रहे 11 हजार पेड़, सरकार ने पारित किया था प्रस्ताव

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के जैव विविधता से भरपूर हसदेव अरंड क्षेत्र में परसा ईस्ट और केते बासेन चरण-दो कोयला खदान के लिए पेड़ों की कटाई शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के बीच फिर से शुरू हो गई। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हसदेव क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे 100 से अधिक ग्रामीणों को हिरासत में लिया है। हालांकि पुलिस ने इस आरोप से इनकार किया। पीईकेबी खदान राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित है। राज्य वन विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को उदयपुर विकास खंड में प्रस्तावित 74.130 हेक्टेयर वन भूमि (पीईकेबी चरण-दो खदान के लिए) में से 32 हेक्टेयर में पेड़ों की कटाई शुरू की गई। अब तक 3,694 पेड़ काटे जा चुके हैं। शेष

पेड़ों की कटाई जारी है। बयान में कहा गया है कि चूंकि यह क्षेत्र संवेदनशील है, इसलिए पेड़ों की कटाई शांतिपूर्ण ढंग से करने के लिए जिला पुलिस बल, जिला प्रशासन और वन अधिकारियों की एक संयुक्त दल का गठन किया गया है। इसमें कहा गया है कि खदान क्षेत्र के पास के गांवों के कुछ निवासी इस कार्य में बाधा डाल रहे थे। उन्हें प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं करने के लिए राजी किया गया है। साल 2007 में आवंटित पीईकेबी ब्लॉक में 762 हेक्टेयर भूमि में खनन का पहला चरण, केंद्रीय वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 2012 में अंतिम अनुमोदन के बाद 2013 में शुरू किया गया था और वहां खनन पूरा हो गया है। राज्य वन विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रालय ने 2022 में पीईकेकेबी चरण-दो खदान (सरगुजा) के लिए 1,136 हेक्टेयर वन भूमि की अनुमति दी है। इस वर्ष 21 अगस्त को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन) छत्तीसगढ़ द्वारा और अगले दिन 22 अगस्त को मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वनवृत्त द्वारा परियोजना के 10वें वर्ष में 74.130 हेक्टेयर वन भूमि के क्षेत्र में खड़े 10,944 पेड़ों की कटाई की अनुमति दी गई है। इसमें कहा गया है कि 74.130 हेक्टेयर वन भूमि के क्षेत्र में कुल 10,944 पेड़ों की कटाई की अनुमति दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

सरपंच की बनायी वंशावली होगी मान्य

दरभंगा, एजेंसी। सदर प्रखंड की सारा मोहम्मद पंचायत के चंदनपट्टी स्थित पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इसमें अंचल के अमीन प्रतीक रंजन कुमार व मोनी कुमारी ने सारा मोहम्मद पंचायत सहित आसपास के लोगों की जिज्ञासाओं को शांत किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पंचायत के सरपंच की ओर से बनायी गयी वंशावली ही मान्य होगी। अमीन मोनी ने कहा कि सरकार की ओर से जारी फॉर्मेट को भरकर, उसमें जिनकी खतियानी जमीन है वे उसका दस्तावेज, जिनका केवाला है वह केवाला से संबंधित दस्तावेज तथा अद्यतन रसीद लगाकर यहां जमा कर देंगे। इन दोनों अमीनों ने बताया कि आगामी सोमवार से प्रत्येक दिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक ये लोग पंचायत भवन में बैठेंगे तथा हर आने वाले व्यक्ति की समस्याओं को सुनेंगे तथा उनका निराकरण करेंगे। ग्राम सभा में मुखिया विमल देवी, मुखिया पति जय राम ठाकुर, सरपंच नीलम कुमारी, वार्ड पार्षद अशोक पासवान, नूतन कुमारी, ब्रह्मदेव कुमार पासवान, पंसस आरती कुमारी आदि थे।

लोक शिकायत के आठ मामलों की डीएम ने की सुनवाई

छपरा, एजेंसी। जिलाधिकारी अमन समीर ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष से बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की और शिकायत का निवारण किया। जिला पदाधिकारी ने लोक शिकायत के कुल आठ मामलों की सुनवाई की। जिसमें सात मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया तथा शेष एक मामलों में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

राज्यव्यापी प्रदर्शन के समर्थन में गांवों में चलाया अभियान

पूर्णिया, एजेंसी। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) पूर्णिया जिला माकपा के द्वारा 5 सितंबर को राज्यव्यापी आंदोलन के तहत समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन को लेकर विभिन्न पंचायत में सभा कर लोगों से प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की जा रही है। सभा के माध्यम से लोगों को मांगों के बारे में अवगत कराया गया जिसमें प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर रोक, सभी परिवार को 200 युनिट बिजली मुफ्त, रोजगार की गारंटी, बेरोजगार युवाओं को 5000 रुपया भत्ता, भूमिहीन परिवार को 10 डिसमिल जमीन, खेती के लिए एक एकड़ जमीन,सर्वे के नाम पर गरीबों के साथ धोखा और लूट-खसोट बंद करने की मांग आदि शामिल है। प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामपरी एवं सीपीआई (एम) के जिला सचिव राजीव सिंह ने मंझुवा, खखरैली, दिग्गी पोखर टोला, रामपुर, रानीपतरा, दरगाह टोल, रायपुर खाखोटोला, आदिवासी टोल, हरिजन टोल आदि में ग्रामसभा अभियान चलाया। एडवा नेत्री रामपरी ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सरकार गरीब विरोधी है। विकास का झूठा आंकड़ा पेश कर रही है। इस सरकार में बेरोजगारी, महगाई काफी बढ़ी है। जिला सचिव राजीव सिंह ने कहा कि चुनाव से पहले वित मंत्री सीता रमण ने कहा था कि महिलाओं को लाखपति दीदी बनाऐंगे लेकिन गरीब महिलाएं समूह के माध्यम से निजी बैंक से लोन लेती है, लेकिन भारी ब्याज के साथ किस्त चुकाने में उनकी हालत खराब हो जाती है।

स्कूल से दूसरी बार चापाकल की चोरी

पूर्णिया, एजेंसी। कसबा नगर परिषद के अंतर्गत मोदो साह महिला उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर से बीती रात चोरों ने दूसरी बार चापाकल की चोरी कर ली। छात्राओं के लिए इस गर्मी में पानी पीने का यही एकमात्र चापाकल था। इससे छात्राओं को पानी पीने एवं शौचालय जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। इस विद्यालय से चापाकल की चोरी होने की यह तीसरी घटना है। इस संबंध में कसबा थाना को कई बार सूचित किया गया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बक्सर में बायोगैस प्लांट का 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा

20- 25 घर के परिवारों को मिलेगी गैस की सुविधा

गोबर और कचरे से बनेगा ईंधन गैस

बक्सर, एजेंसी। बक्सर जिले के जगदीशपुर गांव में गोबर धन योजना के तहत जिले का बायोगैस प्लांट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। प्लांट का 80 प्रतिशत काम लगभग पूरा होने वाला है। इसे बनकर तैयार होने पर इसके माध्यम से दो दर्जन से ज्यादा घरों में गोबर गैस ईंधन के रूप में उपलब्ध होगा। प्लांट निर्माण लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह भी है। साथ ही इसके बगल में लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान के अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निर्माण किया गया है। जिसका कार्य एक साल पहले ही पूरा हो गया है। अब कचरा निस्तारण का कार्य प्रारंभ है। गांव के पशुपालक से गोबर और कचरा घर से गीले कचरे का प्रयोग कर मिथेन गैस बनाया जाएगा और उसे पाइप के माध्यम से उसे घर-घर पहुंचाने का काम किया जाएगा। इस सुविधा से लोगों को कम खर्च में भोजन बनाने में आसानी होगी।

20- 25 घर के परिवारों को मिलेगी गैस की सुविधा

जगदीशपुर पंचायत की मुखिया शुशील देवी ने गोबर से तैयार बायोगैस की सुविधा के बारे में बताया कि इस सुविधा को 20-25 परिवारों को घर-घर गैस की उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें जैविक खाद भी तैयार किया जाएगा। यह योजना ग्रामीण इलाके के पशुपालक किसानों के लिए वरदान साबित होगा। पशु के गोबर भी अब धन के रूप में उन्हें लाभान्वित करेगा। भविष्य में यह योजना सही रूप से चलता रहे। इसको लेकर ग्रामीणों से भी बातचीत कर सहयोग मांगा गया है। डीएम ने बताया कि गोबरधन योजना का सीधा लाभ पशुपालकों को मिलेगा। इस प्लांट के बन जाने पर किसानों से गोबर खरीदा जाएगा और उससे बनने वाले बायोगैस की सप्लाई गांव के घरों में दी जाएगी। गैस संयंत्र से माह में करीब 1.5 से 2 एलपीजी सिलिंडर के बराबर गैस प्राप्त होता है।

जिले का पहला बायोगैस प्लांट निर्माण अब तक अधूरा

बक्सर जिले का पहला बायोगैस प्लांट का भूमि पूजन जिला अधिकारी अंशुल अग्रवाल ने 13 मई 2023 को जगदीशपुर पंचायत के कुलहड़िया गांव में किया था, जो कि शिलान्यास के 19 महीने बाद भी बनकर अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हुआ है। प्लांट बनाने की जिम्मेदारी आंनद इंजीनियरिंग लखनऊ को दिया गया था। प्लांट को 90 दिन में बनाकर तैयार करना था लेकिन अभी भी काम आधा अधूरा पड़ा है। यह बायोगैस प्लांट पंचायतों को स्वच्छ बनाने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा की जा रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार यह बायोगैस प्लांट 49 लाख के लागत से बनाया जा रहा है। जल्द काम पूरा करने का दिया गया है निर्देश बक्सर के डीडीसी डॉ महेंद्र पाल ने बताया कि कंपनी के एग्रीमेंट के हिसाब से अब तक तो बनकर तैयार हो जाना चाहिए लेकिन कंपनी ने आधा अधूरा काम करके छोड़ दिया है। कंपनी के द्वारा संपर्क करके बताया गया है कि बायोगैस प्लांट का हमने काम पूरा कर दिया है। केवल गोबर की आवश्यकता है। आगे कार्य को सही समय पर सही तरीके से निर्माण नहीं किया गया तो प्लांट बनाने वाले कंपनी को ब्लैक लिस्टेड भी किया जा सकता है।

चिराग बोले-विपक्ष 2021 की साजिश को दे रहा हवा:हम एकजुट, काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती

पार्टी मीटिंग के बाद दिल्ली में शाह से मिले

पटना, एजेंसी। राजद की तरफ से पार्टी में टूट की खबरों के बीच एलजेपी आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एक्शन में आ गए हैं। शुक्रवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में उन्होंने पहले पार्टी के कोर कमेटी के साथ बैठक की। इसके बाद आनन-फानन में वे दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि दोनों के बीच कई राजनीतिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। हालांकि क्या चर्चा हुई फिलहाल इस पर वे कुछ बताने से बच रहे हैं। देर शाम न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है। विपक्ष की तरफ से एक बार फिर से मेरी पार्टी और सांसदों को लेकर साजिश को हवा देने की कोशिश की जा रही है। ये ठीक उसी तरह है, जैसा 2021 में रची गई थी।

हम मजबूती से विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं

आज की तारिख में मजबूती से जिस तरीके से लोजपा(आर) न केवल चुनाव लड़े, बल्कि 100 पर्सेंट स्ट्राइक रेट से सभी की सभी 5 सीटें जीतने में कामयाब रहे। मेरी पार्टी का एक-एक सांसद पूरे समर्पण भाव से बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को धरातल पर उतारने की सोच के साथ काम कर रहा है। हमारे सामने बड़ा लक्ष्य है 2025 का विधानसभा चुनाव। उस दिशा में पूरी पार्टी एकजुटता से लगी हुई है। जो लोग सोचते हैं कि पार्टी में इस तरह की टूट हो।

राजद ने टूट का दावा किया था

दरअसल, पिछले दो दिनों से राजद के विधायक और पार्टी नेताओं की तरफ से एलजेपी(आर) में टूट का दावा किया जा रहा था। राजद के नेता सार्वजनिक तौर पर ये कह रहे थे कि पार्टी के तीन सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं। बीजेपी इन्हें तोड़ने की प्लानिंग पर काम कर रही है।

पारस और शाह की मुलाकात ने बढ़ाया सस्पेंस

टूट की खबरों के बीच अचानक 27 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह और चिराग पासवान के चाचा रालोजपा नेता पशुपति पारस के बीच मीटिंग हुई थी। इसके बाद चिराग पासवान को लेकर सस्पेंस बढ़ गया था। शाह से मुलाकात के बाद पशुपति पारस लगातार कह रहे हैं कि गृह मंत्री ने उन्हें भरोसा दिया है कि विधानसभा चुनाव में लोकसभा की तरह नहीं होगा। सही हिस्सेदारी दी जाएगी।

बिहार के नए डीजीपी का पैतृक गांव गोपालपुर नेउरा जश्न में डूबा

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। नए डीजीपी बने आलोक राज ने बिहार पुलिस के मुखिया के रूप में कमान थाम ली है। इस उपलब्धि से जीडीपी के पैतृक गांव में जश्न का माहौल है। वे मुजफ्फरपुर जिले के सरैया प्रखंड के गोपालपुर नेउरा गांव के मूल निवासी हैं। पुलिस प्रमुख बनने की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों ने आतिशबाजी की। एक-दूसरे को मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। पड़ोसी व सरैया के पूर्व प्रमुख मो. उमर अंसारी ने बताया कि वर्तमान में आलोक राज का पूरा परिवार पटना के कंकड़बाग कॉलोनी में रहता है। हालांकि गांव में नियमित आना-जाना लगा रहता है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार करीब छह महीने पहले मोतिहारी से लौटने के क्रम में गांव आए थे। लोगों ने बताया कि आलोक राज के पिता परमेश्वर प्रसाद सांख्यकी विभाग में निदेशक रहे हैं। रिटायर होने के बाद हर माह गांव में आते हैं। आलोक राज की दो संतानों में एक पुत्र व एक पुत्री है। बेटा सुप्रीम कोर्ट में वकील है। बेटी अमेरिका में रहकर पढ़ाई कर रही है। हाल ही में बेटी के एमबीए के डिग्री समारोह में भाग लेने के लिए आलोक राज व उनके पिता के साथ ही परिवार के अन्य सदस्य अमेरिका गए थे।

ससुर भी रह चुके डीजीपी

आलोक राज के ससुर डीएन सहाय (दिनेश नंदन सहाय) भी राज्य के डीजीपी रह चुके हैं। उमर अंसारी के मुताबिक आलोक राज की शादी के समय उनके ससुर डीजीपी के पद पर आसीन थे। सेवानिवृत्त होने के बाद छत्तीसगढ़ व त्रिपुरा के राज्यपाल भी रहे थे। करीब छह साल पहले उनका निधन हो गया था।

ग्रामीणों ने केंद्र और राज्य सरकार के प्रति जताया आभार

गोपालपुर नेउरा गांव के बेटे आलोक राज को डीजीपी बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने बैठक कर केंद्र व राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। पूर्व प्रमुख मो. उमर अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में रमण लाल, शिव भगत, सरपंच रेणु देवी, मोहन राय, मो. मुमताज, राजेंद्र पासवान, प्रो. समीउल कादरी, मो. सत्तार, मो. शमीम, मुकेश भगत, हरिशचंद्र पासवान व अन्य मौजूद रहे। शुक्रवार को आलोक राज ने राजविंदर सिंह भट्टी से विधिवत बिहार के डीजीपी का प्रभार ले लिया। हालांकि उन्हें कार्यकारी डीजी बनाया गया है। कमान थामने के बाद वे एक्शन में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य का आम जनता के लिए उनके कार्यालय के द्वार हमेशा खुले हैं। विधि व्यवस्था के सुचारु संधारण के लिए डीजीपी ने अपने सभी अफसरों को 6 %स% का टिप्स दिया है। कहा है कि पुलिस समय पर संवेदनशीलता और सख्ती के साथ सार्थक कार्रवाई करे। सत्यनिष्ठा पुलिस की कार्यशैली का आवश्यक अंग होना चाहिए और स्पीडी ट्रायल से अपराधियों को सजा दिलाना चाहिए।

रिटायर्ड होमगार्ड जवान के पैकेट से बदमाशों ने उड़ाया जेवर

गया, एजेंसी। गुरुआ बाजार के एक आभूषण दुकान में शुक्रवार को बैठे एक रिटायर्ड होमगार्ड जवान के पैकेट से दो बदमाशों ने करीब 25 हजार रुपये के जेबर उड़ा लिया। पूरी घटना दुकान में लगी सीसीटीवी में कैद हो गई। कोच थाना के केरकी गांव के सेवानिवृत्त जवान शक्ति कुमार सिंह ने बताया कि वे अपनी बेटी का जेवर गुरुआ बाजार के एक आभूषण दुकान में गिरवी के रूप में रख दिया था। जिसे छुड़ा कर अपने पैकेट में रख दुकान में बैठा था। कुछ देर बाद पैकेट में हाथ डाला तो जेवर गायब था। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी में देखा तो दो किशोर संदिग्ध अवस्था में बुजुर्ग के पास देखे गए।

टीटीई ने चलती ट्रेन में महिला से की छेड़खानी

गया, एजेंसी। पटना-धनबाद गंगा दामोदर एक्सप्रेस में सफर के दौरान टीटीई पर महिला से छेड़खानी का आरोप लगा है। ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात टीटीई को एस्कार्ट टीम ने हिरासत में ले लिया। पीड़ित महिला यात्री के लिखित बयान पर जीआरपी थाने में मामला दर्ज किया गया है। रेल पुलिस छानबीन में जुट गई है। छेड़खानी के आरोपी टीटीई रणधीर कुमार धनबाद रेल मंडल मुख्यालय का है। पीड़ित महिला यात्री ने दिए गए आवेदन में बताया कि वह नवादा जिले की रहने वाली है तथा वर्तमान में पति के साथ बोधगया के एक गांव में रहती है। गुरुवार की रात गंगा-दामोदर एक्सप्रेस के कोच एस-6 में पटना से गया आ रही थी। जब ट्रेन चाकन्द और गया के मध्य थी, तभी करीब 12:53 बजे टीटीई रोहन कुमार पास आया और टिकट दिखाने को कहा। मेरे पास टिकट नहीं था।उस समय के कोच में पूरे यात्री सो रहे थे और ट्रेन में अंधेरा था। उसी समय टिकट बनाने की बात करते हुए बाथरूम में चलने की बात की और छेड़खानी करने लगा। मैं रोने लगी। तब तक जीआरपी जवान मेरे पास आये, जिन्हें मैंने पूरी घटना बताई। इसी बीच ट्रेन गया स्टेशन पहुंच गयी। वहीं इस मामले पर जीआरपी इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला यात्री के लिखित बयान पर जीआरपी थाना में मामला दर्ज किया गया है।

बिहार के नए मुख्य सचिव बनाए गए आईएएस अमृतलाल मीणा

1989 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं

पटना, एजेंसी। आईएएस अधिकारी अमृतलाल मीणा बिहार के नए मुख्य सचिव बनाए गए हैं। अमृतलाल मीणा 1989 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। राजस्थान से आते हैं। फिलहाल अमृतलाल गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के कोयला सचिव हैं। अमृतलाल मीणा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। अमृतलाल मीणा पूर्व सीएम लालू प्रसाद के साथ नीतीश कुमार के भी खास हैं। पीएम मोदी के भी वो करीबी माने जाते हैं। इनका रिटायरमेंट 31 अगस्त 2025 को है। कोयला सचिव के रूप में 1 नवंबर 2022 से पोस्टेड हैं। इसके पहले यहां ओएसडी के रूप में भी तैनात रहे थे। अमृतलाल 10 सितंबर 2021 केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। दिल्ली प्रतिनियुक्ति पर 19 अक्टूबर 2022 तक कॉमर्स एंड इंडस्ट्री प्रमोशन का इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के स्पेशल सेक्रेटरी रहे। अमृतलाल मीणा, लालू राज में डीसी और डीएम के तौर पर मुजफ्फरपुर, सीवान, नालंदा, भोजपुर, गया, मुजफ्फरपुर में अपनी आईएएस अमृतलाल मीणा ने दिल्ली जाने से पहले बिहार में पथ निर्माण विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी से लेकर एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। 15 फरवरी 2017 से लेकर 9 सितंबर 2021 तक वो पथ निर्माण विभाग जैसे बड़े विभाग में रहे। अमृतलाल मीणा ने बिहार में जूनियर स्केल में 21 अगस्त 1989 से 10 अगस्त 1991 तक ट्रेनिंग की। 27 अगस्त 1991 से 19 अक्टूबर 1992 तक बेगूसराय में एसडीओ रहे। इसके बाद पोस्टिंग सीतामढ़ी एसडीओ के रूप में हुई। सीतामढ़ी में 22 जून 1993 तक उन्होंने सेवा दी। लालू राज में डीसी और डीएम के तौर पर मुजफ्फरपुर, सीवान, नालंदा, भोजपुर, गया, मुजफ्फरपुर में अपनी सेवा दी। आज सीएम नीतीश के नजदीकी हैं।

अप्रैल 2012 को बिहार लौट आए थे अमृतलाल मीणा

28 जुलाई 2004 को अमृतलाल मीणा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए, जहां ग्रामीण विकास विभाग और फूड प्रोसेसिंग इंडस्टरीज में अपनी सेवाएं दी। 1 अप्रैल 2012 को बिहार लौट आए थे। बिहार लौटते हीं इन्हें नगर विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया गया। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव के तौर पर इन्होंने काम किया। 1 अप्रैल 2014 को इन्हें ग्रामीण विकास विभाग का सचिव बनाया गया था। 2015 को फिर एक बार इन्हें नगर विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया गया। 8 अप्रैल 2016 को अमृतलाल मीणा नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव बने। इसके बाद इनकी पोस्टिंग एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के रूप में की गई।

हर साल लगाएं कम से कम एक पौधा : डॉ. शंभू

दरभंगा, एजेंसी। एमएलएसएम कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में 'मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कॉलेज परिसर में पौधरोपण सह पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. शंभू कुमार यादव ने कहा कि वृक्ष जीवन का मूलभूत आधार है। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक को प्रति वर्ष कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए। उन्होंने छात्र- छात्राओं से कहा कि प्रत्येक छात्र को अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की यहां जगह दी जाएगी। मुख्य अतिथि लनामिवि के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरएन चौरसिया ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा में अगर हम लोग सचेत नहीं हुए तो जनजीवन बुरे दौर से गुजरेगा। पेड़-पौधे हमारे वास्तविक हितैषी एवं जीवन रक्षक हैं, क्योंकि इनसे हमें प्राण वायु के रूप में शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके कार्यक्रमों में शामिल होने से छात्रों के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होता है तथा उनके चरित्र का बेहतरीन निर्माण भी होता है। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सुबोध चंद्र यादव ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा में और सहयोग होगा कि अपने जन्मदिन और शादी-विवाह के अवसर पर अपने माता-पिता के नाम से भी पौधरोपण किया जाए। कार्यक्रम पदाधिकारी द्वितीय डॉ. कुमार नरेंद्र नीरज ने पर्यावरण एवं वन की उपयोगिता के बारे में बृहद जानकारी दी।

बोतल पुरानी शराब नई, जेल से छूटे माफिया कर रहे नकली दारू का कारोबार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर समेत बिहार के विभिन्न जिलों में नकली शराब का धंधा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जेल से छूटे माफिया नकली शराब बनाकर उसको ब्राडेंड कंपनियों के बोतल पैककर सप्लाई कर रहे हैं। उत्पाद विभाग ने मुजफ्फरपुर के ऐसे 20 बड़े माफिया की सूची तैयार कर लिया है और उन पर नजर बनाए हुए है। उत्पाद इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि अहियापुर के शेखपुर ढाब से गिरफ्तार माफिया पप्पू सहनी पूर्व में शराब मामले में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद वह फिर उस धंधे में जुट गया था। सीएम नीतीश कुमार के आदेश पर बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। उत्पाद विभाग की जांच में पता चला है कि कई माफिया जेल से छूटने के बाद फिर से शराब के धंधे लग गए हैं। इसको लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इनको पकड़ने के लिए ड्रोन कैमरे और शराब ढूंढ़ने वाले खोजी कुत्तों के साथ टीम तैयार की गई है। इस टीम का काम नकली देसी व विदेशी शराब बनाने वाली जगह को तलाश कर सूचित करना है। जिले के दियारा क्षेत्रों में इसको लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। जांच में यह भी पता चला है कि कई शराब माफिया दूसरे राज्यों में रहकर वहां से शराब की सप्लाई कर रहे हैं। उनका भी डाटा तैयार किया जा रहा है। स्प्रिट और शराब उतारने के हैं कोड वर्ड उत्पाद इंस्पेक्टर ने बताया कि माफिया शराब को अलग-अलग नाम से कोड करते हैं। उसके लिए उन्होंने कोड वर्ड तैयार कर रखा है। स्प्रिट व देसी शराब को कोड वर्ड में पानी कहा जाता है। वहीं, शराब की खेप को उतारने के लिए ट्रक कट रहा है, यह कहा जाता है। ताकि, स्थानीय ग्रामीण या लोगों को समझ नहीं आ सके। जिले के अहियापुर, मनियारी समेत बूढ़ी गंडक के दियारा इलाकों में सबसे अधिक नकली शराब बनाने वाले माफिया सक्रिय हैं। इसके अलावा कांटी, सदर, मोतीपुर, हथौड़ी, मीनापुर समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में भी नकली शराब बनाने कारोबार चल रहा है। दो दिन पहले ही उत्पाद की टीम ने अहियापुर के शेखपुर ढाब से नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा किया था। चार महीने पहले पुलिस ने कल्याणपुर हरौना गांव में छापेमारी कर देसी शराब फैक्ट्री बनाने के अड्डे को ध्वस्त कर एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2021 में मोतीपुर पुलिस ने मोरसंडी में छापेमारी कर देसी शराब की मिनी फैक्ट्री पकड़ी थी। अप्रैल 2021 में मीनापुर के धारपुर गांव में उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा किया था।

हाइवे को छोड़कर ग्रामीण सड़कों से मंगवा रहे शराब

उत्पाट इंस्पेक्टर ने बताया कि शराब माफिया हाइवे को छोड़कर ग्रामीण सड़कों से शराब मंगवा रहे हैं। जिले के सात चेकपोस्ट पर प्रत्येक छोटी-बड़ी गाड़ियों की जांच की जाती है। इसके अलावा, अलग-अलग टीमें ग्रामीण इलाकों में भी सर्च अभियान चला रही हैं। ताकि, शराब माफिया पर नकेल कसी जा सके।

हर्षोल्लास के साथ बाबा गणिनाथ गोविंद जी पूजनोत्सव शुरू

मुजफ्फरपुर। पोखरैरा स्थित बाबा गणिनाथ गोविंद जी महाराज का 26वां पूजनोत्सव शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ शुरू हो गया। पोखरैरा पलवैया धाम स्थित मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। रात में विधि-विधान के साथ बाबा गणिनाथ गोविंद जी महाराज का नेवतन 14 देव का फल, फूल, मिष्ठान के साथ किया गया। नेवतन पूजा में गाजे-बाजे के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पुजारी कृष्णा देवी, पूजा समिति के हरेंद्र साह, विजय कुमार गुप्ता, सोनू कुमार गुप्ता, महेश साह, गणेश रंजन आदि ने बताया कि शनिवार को बाबा का पूजा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

04 सितंबर को बच्चों को एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाकर जिलाधिकारी करेंगे कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत

- स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक
- छूटे हुए बच्चों के लिए11 सितंबर को मॉप-अप दिवस पर पुनः खिलाई जाएगी दवा
- 19 वर्ष तक के 31 लाख 75 हजार 456 बच्चे खाएंगे एल्बेण्डाजोल की दवा

बीएनएम। मोतिहारी

4 सितंबर को शहर के बच्चों को एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत करेंगे। इसको लेकर जिलाधिकारी ने समाहरणालय कक्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नन्दन झा ने उन्हें कृमि मुक्ति दिवस के विषय में कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि हर हाल में इस बात का ध्यान दें कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ्य हो, खाली पेट दवा न खिलाए। लाइन लिस्टिंग के अनुसार शिक्षकों व आशा के समक्ष ही दवा का सेवन कराएं। डीसीएम नंदन झा ने बताया कि 4 सितंबर दिन बुधवार को जिले के सभी सरकारी स्कूलों, आँगनबाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाते हुए जिले के 31 लाख 75 हजार 456 बच्चों को एल्बेण्डाजोल दवा खिलाई जाएगी। जिले के सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्र एवं सरकारी/ गैर सरकारी स्कूल के 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को अल्बेडाजोल की दवा निर्धारित उम्र के अनुसार खिलाइ जाएगी। इसको लेकर तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि दवा से छूटे हुए बच्चों के लिए मॉप-अप

दिवस का आयोजन 11 सितंबर 2024 को किया जाएगा। अल्बेडाजोल की गोली का सेवन तलिकानुसार ही होना चाहिए।

प्रतिकूल घटना प्रबंधन से घबराए नहीं: डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि आशा, सेविका के सामने दवा खिलाइ जाएगी। दवा देने पर कुछ बच्चों में जी मिचलाना, उल्टी, दस्त और कमजोरी जैसे कुछ साइड इफेक्ट्स का अनुभव हो सकता है। इन्हें आसानी से संभाला जा सकता है। प्रतिकूल घटना होने पर बच्चों को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम करवाएं और पीने का साफ पानी दें, एल्बेंडाजॉल चबा के खाने वाली गोली है। ठीक से या बिना चबाये खाने से यह गोली गले में अटक सकती है। बच्चे के लगातार असहज महसूस करने पर माता-पिता या अभिवावक द्वारा किसी भी चिकित्सकीय सहायता के लिए एएनएम या आशा को फोन करना चाहिए। किसी भी चिकित्सकीय सहायता /परामर्श के लिए आशा/ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/एएनएम अपना मोबाइल नंबर प्रदान करें और सुनिश्चित करें कि माता-पिता के पास निकटतम

पीएचसी/प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का भी नंबर रखें। उन्होंने बताया कि रैपिड रिसपोन्स/टीम घटना प्रबंधन के लिए तैयार रहेगी। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा, जिला सूचना जनसम्पर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, डीसीएम नन्दन झा, डैम अभिजीत भूषण, पीएसआई के डीसी अमित कुमार, एनडीडी कोर्डिनेटर अभिजीत अनमोल व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिले में बिना फार्मासिस्ट के चल रहीं हैं अधिकांश खुदरा दवा दुकानें

खुदरा दवा दुकानों को खोलने के सरकारी मानकों की उड़ रहीं हैं धज्जियां, विभाग मौन

बीएनएम। मोतिहारी। मृत्युंजय पाण्डेय।

खुदरा दवा दुकानों को खोलने और उसके संचालन में हुई थोड़ी सी चूक मरीजों के लिए जानलेवा या जीवन भर के लिए लाइलाज मर्ज का सबब बन सकता है। बावजूद इसके, जिले के गांवों, कस्बों से लेकर शहरों तक में खुदरा दवा दुकानों को सरकारी मानकों को पूरा किये वगैर खुलेआम चलाया जा रहा है।जो मरीजों के लिए काल बन रहा है या मर्ज को और बढ़ाकर जीवन का जंजाल बना रहा है और संबंधित विभाग चैन की बांसुरी बजा रहा है। जो हैरतअंगेज बात है?खुदरा दवा दुकानों को खोलने और चलाने के लिए भारतीय फार्मेसी अधिनियम के अंतर्गत सख्त मानक और अर्हताएं तय किये गये हैं, जिनको अनिवार्य रूप से पूरा किये बिना दवा की दुकानें संचालित नहीं की जा सकती हैं।इन मानकों में खुदरा दवा दुकानों को खोलने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया के साथ साथ दवा बेचने वाला के पास डी फार्मा या बी फार्मा जैसे फार्मास्युटिकल योग्यता का होना अनिवार्य शर्त है।साथ ही फार्मेसी अधिनियम के तहत विभाग को इस बावत शपथ पत्र भी देना होता है कि दवा बेचने वाले ने वांक्षित डिग्री डिप्लोमा कोर्स किया है। ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि दवा बेचने वाला मरीजों की बिमारियों के प्रकार और दवाओं में मिले रासायनों से भली भांति परिचित है। जिससे मरीजों को उनके बिमारियों की सही दवा उन्हें मिल सके व मरीज़ स्वस्थ हो सके। जानकारी के मुताबिक आलम ये है कि फार्मा की डिग्रियां दुकानों में टंगी हुई हैं लेकिन डिग्रीधारी उन दुकानों में काम ही नहीं करता बल्कि महीने में एक तयशुदा रकम उस तक दुकानों वाले पहुंचाते हैं। गौरतलब है कि गांवों, कस्बाई क्षेत्रों, छोटे शहरों के साथ साथ जिला मुख्यालय में भी चिकित्सकों के भारी भरकम फीस होने के कारण गरीब, मजदूर तथा मध्यम वर्ग के लोगों सहित आर्थिक रूप से अशक्त मरीज इन खुदरा दवा दुकानों से अपनी बिमारियों की दवा इस विश्वास पर ले लेते हैं कि उनकी बिमारियों में राहत मिलेगी या वे ठीक हो जायेंगे। लेकिन अपात्र दवा विक्रेताओं द्वारा उन्हें नकली,जेनरिक,फीजीसियन सैंपल तथा एक्सपायरी दवायें भारी मुनाफे पर बेचकर आर्थिक शोषण के साथ साथ उनके स्वास्थ्य से भी अमानवीय खिलवाड़ किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों के विरुद्ध जारी राज्यादेशों के विरूद्ध एक दिवसीय धरना प्रर्दशन

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुटाब) एवं बिहार राज्य विश्वविद्यालय (सेवा) शिक्षक महासंघ (फुस्टाब) द्वारा निर्गत सर्कुलर के आदेश से तथा बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (बुटा) एवं बीआरए बिहार विश्वविद्यालय सेवा शिक्षक संघ (बुस्टा) के निर्देशानुसार नगर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ के सभी पदाधिकारियों/सदस्यों/शिक्षकों द्वारा शनिवार को कार्य करते हुए एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में शिक्षकों के विरुद्ध जारी राज्यादेशों के प्रति आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ, पटना के आदेश से बीआरए बिहार विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र, मुजफ्फरपुर शिक्षकेत्तर इकाई संघ एलएनडी कॉलेज ने भी धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगें पूरी होने तक संघर्ष का आह्वान किया। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने भी धरना-प्रदर्शन पर बैठकर कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की मांगों के प्रति अनुसमर्थन अभिव्यक्त किया।उन्होंने कहा कि एक शिक्षक कभी जंगल को काटता नहीं है, बल्कि सदा रेगिस्तान को सींचकर राष्ट्रनिर्माण में सहभागी होता है। भय के इस परिवेश में राष्ट्रनिर्माण में सहभागी शिक्षकों को काम करना मुश्किल होता जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के वेतन/पेंशन भुगतान में सरकार द्वारा निरंतर नई शर्तें थोपते हुए बजटीय अनुबंध विमुक्त करने में अनावश्यक रूप से बिलंब कर रही है। कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को संघ/संगठन के गठन व उसकी गतिविधियों में भाग लेने पर शिक्षा विभाग द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दी गई है। कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सरकारी आदेशों द्वारा निरंतर प्रताड़ित किया जा रहा है। अंगीभूत महाविद्यालयों में जिला प्रशासन के हस्तक्षेप को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन्हीं सब मांगों को लेकर कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों द्वारा एकदिवसीय धरना/प्रदर्शन कर शिक्षक विरोधी सरकारी आदेशों को वापस लेने की मांग किया। कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी प्राचार्य को सौंपा। एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में प्रतिभागिता कर कॉलेज शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अपनी मांगों की प्रतिलिपि कुलाधिपति, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को भी प्रेषित करने का निर्णय लिया गया। आगामी पांच सितंबर शिक्षक दिवस के मौके पर सभी शिक्षक काला बिल्ला लगाकर समारोहों में भाग लेने का निर्णय लिया है। मौके पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ सचिव डॉ. कुमार राकेश रंजन, कोषाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.सुबोध कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ.दीपक कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ.रविरंजन सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभाकर कुमार व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ओर से डॉ.भूवनेश्वर सिंह, लेखापाल कामेश भूषण, संजीव किशोर, डॉ.भूवनेश्वर सिंह, सहायक लेखापाल अखिलेश कुमार, मणिभूषण, अमित कुमार, आशुतोष, आलोक कु.पांडेय, सविता कुमारी, देवेंद्र ठाकुर, रेखा कुमारी, सत्यनारायण राय, जनक बैठा, रणविजय कु.सिंह, मधु कुमारी, मोनिका बाला, नंदकिशोर सहनी सहित सभी शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे।

बंद पड़े नलकूपों को शीघ्र चालू कराई जाए- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में लघु सिंचाई विभाग एवं विद्युत विभाग के अभियंताओं के साथ बैठक कर बंद पड़े नलकूपों को शीघ्र चालू करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा यांत्रिक दोष, विद्युत दोष एवं संयुक्त दोष से बंद पड़े नलकूपों की समीक्षा की गई एवं कार्यपालक अभियंता, नलकूप को बंद पड़े सभी नलकूपों को ठीक करा देने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि खराब हो गए नलकूपों की प्रखंड बार सूची बनाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से नियमानुसार संबंधित मुखिया से कार्य को पूर्ण कराकर इससे संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराई जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त पूर्वी चंपारण समीर सौरभ भी उपस्थित थे।

करेंट से मौत मामले में बिजली कंपनी पर 19.47 लाख का जुर्माना

जिला उपभोक्ता कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बीएनएम। मोतिहारी

जिला उपभोक्ता आयोग ने तीन साल की लंबी लड़ाई के बाद बिजली के तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत के मामले में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड की सेवा में कमी पाते हुए 19 लाख 47 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही दो माह के अंदर परिवादिनी को मुआवजे के रूप में 2,47,750 रुपये का भुगतान करने व मृतक के आश्रित सात लड़के व लड़कियों के नाम पर 16,99,250 रुपये की सावधि जमा करने का निर्देश दिया है। आयोग ने परिवाद संख्या- 111/2021, लवंगी देवी, पति स्व. उपेन्द्र मुखिया, मजुराहां, वार्ड नंबर-5 बनाम कार्यपालक विद्युत आपूर्ति अभियंता नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड मोतिहारी की वाद की सुनवाई की और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उक्त फैसला सुनाया है। जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य संजीव कुमार के अनुसार परिवादिनी के पति उपेंद्र मुखिया बिजली चालित आटा चक्की मशीन लगाये हुए थे। जिसे खुद चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर डीजल से आटा चक्की चलाकर गेहूं पीसते थे। इसी दौरान 8 सितंबर 2020 को तीन बजे शाम में बिजली चालित आटा चक्की का कनेक्शन का तार पोल पर आग लगने से गिर गया और जमीन पर सट गया। उसमें बिजली प्रवाहित हो रही थी, इसकी सूचना उपेंद्र मुखिया ने कनीय अभियंता को दी। विद्युत कार्यालय ने इसे ठीक करने का आश्वासन दिया, लेकिन तार ठीक नहीं कराया। वही 16 सितंबर को उपेन्द्र मुखिया डीजल इंजन से आटा पीसकर 10 बजे रात्रि को निकले, तो टूटे हुए तार में उनका पैर फस गया, जिसमे प्रवाहित करंट से उनकी मौत हो गयी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में दायर वाद की सुनवाई करते हुए आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद पाण्डेय व सदस्य संजीव कुमार की संयुक्त बेंच ने राष्ट्रीय आयोग के मैनेजिंग डायरेक्टर के उस फैसले को रेखांकित किया, जिसमें विद्युत स्पर्शधात से मौत के कारण मुआवजा का परिवाद स्वीकृत किया गया है।

मृगेंद्र कुमार बने एमएस कॉलेज के प्राचार्य, अरुण कुमार हुए सेवानिवृत्त

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने शनिवार को अपनी सेवानिवृति के पश्चात अपना पदभार स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार को सौंप दिया। विदित हो कि डॉ.अरुण कुमार ने दिनांक 06 नवंबर 1996 को प्राध्यापक के रूप में अपना योगदान स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में दिया था। विगत 01 मार्च 2021 को उन्होंने प्राचार्य के पद पर अपना योगदान किया था। इनके कार्यकाल में परीक्षाओं में अपेक्षित सुधार हुआ और प्रवेश का कार्य स्वच्छ ढंग से चला। कक्षाएं सुचारू रूप से चलीं और छात्र छात्राओं से निरंतर संवाद स्थापित होता रहा। बॉटनी विभाग में इंटीग्रेटेड लैबोरेट्री का निर्माण हुआ। सारे विभागों को अपग्रेड कर कारपोरेट लुक दिया गया।महाविद्यालय की सड़कें बनीं। पेवर ब्लॉक लगाया गया। मुंशी सिंह विधि महाविद्यालय में मूट कोर्ट और स्मार्ट क्लास बनवाया गया। इसके पूर्व एनसीसी पदाधिकारी के रूप में देश स्तर पर इनकी सेवाएं सराहनीय रही। इनके सैकड़ों कैडेट आर्मी,पैरा मिलिट्री फोर्स और पुलिस सेवाओं में नियुक्त हुए। सन 2005, 2006 और 2012 में कैप्टन अरुण

कुमार ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हुए कैडेटों को निर्देशन दिया। इन्हें दो-दो बार बेहतरीन एन.सी. सी.पदाधिकारी के रूप में बिहार-झारखंड एन.सी.सी.निदेशालय के सर्वोच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इनके कार्यकाल में ही सांसद राधामोहन सिंह के सद्प्रयत्नों से महाविद्यालय के चारों ओर सड़क का निर्माण पावर ग्रिड द्वारा कराया गया। पावर ग्रिड के द्वारा ही लगभग तीन करोड़ की लागत से बॉयज कॉमन रूम और वाचनालय का निर्माण कार्य जारी है। प्रोफेसर मृगेंद्र कुमार हिंदी भाषा के आधिकारिक विद्वान हैं। जहां अरुण कुमार की उच्च शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संपन्न हुई वहीं प्रोफेसर मृगेंद्र कुमार की उच्च शिक्षा प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से संपन्न हुई है। मृगेंद्र कुमार एक साथ ही समर्पित शिक्षक, प्रशासनिक दक्षता और कौशल से लबरेज व्यक्तित्व हैं। शनिवार को पदग्रहण के अवसर पर इन्हें दायित्व सौंपते हुए निवर्तमान प्राचार्य अरुण कुमार ने कहा कि अत्यंत सुयोग्य हाथों में महाविद्यालय की बागडोर सौंपते हुए मुझे अपार हर्ष और गौरव का अनुभव हो रहा है।प्रोफेसर मृगेंद्र कुमार ने पदग्रहण के उपरांत कहा कि अध्यापन सुचारू रूप से चले और प्रायोगिक कक्षाएं निर्बाध संपन्न कराना मेरी प्रथम प्राथमिकता होगी।महाविद्यालय का विकास करना भी मेरी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर प्रो.एम.एन. हक, प्रो. एकबाल हुसैन, डॉ.मयंक कपिला, डॉ. अजय कुमार, प्रो.अमरजीत कुमार चौबे, लेफ्टिनेंट नरेंद्र सिंह, डॉ.अमित कुमार, डॉ. विदुषी दीक्षित, डॉ. गौरव भारती,दिलीप कुमार,प्रमोद कुमार,सुनील महाराज सहित भारी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर डॉ. अरुण कुमार ने दी है।

पर्यावरण को बचाने हेतु शिक्षक और छात्रों ने शपथ ग्रहण कर पौधरोपण किया

स्कूल कैंपस को ग्रीन कैंपस बनाने हेतु पौधरोपण कर बिहार पृथ्वी दिवस मनाया गया

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के राजेपुर अवस्थित उच्च मध्य एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व छात्रों ने "बिहार पृथ्वी दिवस" बहुत ही शानदार तरीके से मनाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कंप्यूटर शिक्षक मुन्ना कुमार के संयोजन में बच्चों ने अपने-अपने घर से विभिन्न तरह के पेड़-पौधा लेकर आए जिसमें तुलसी, गेंदा, चमेली, कदम्ब, कनैल, एलोवेरा आदि शामिल रहा। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाध्यापक जटा शंकर प्रसाद ने अन्य शिक्षकों और छात्रों के साथ मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। स्कूल कैंपस को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया गया। वही कुमकुम झा ने सभी बच्चों और शिक्षकों को 11 सूत्रीय शपथ ग्रहण करवाई और पर्यावरण को बचाने हेतु संकल्प लिया। सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगाए हम जैसे नारों से बच्चों ने जोश भर दिया।कार्यक्रम में स्कूल के बिरेंद्र प्रसाद यादव , सारिका सिंह, शशि प्रभा जायसवाल, कुमारी शिल्पा, रूपम वर्मा, गौरव सिंह, आर के कुशवाहा, निर्मला चौधरी, राधा देवी, श्रीकांत राम, सौरव कुमार, पंकज कुमार, संजय कुमार आदि शामिल रहे वही इको क्लब, यूथ क्लब ,बाल संसद और मीना मंच के छात्र शामिल रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मी बाई के रूप में निशा प्रथम

सुरक्षित शनिवार में बच्चों ने "मैं हूं देशभक्त" कार्यक्रम में अभिनय का जलवा बिखेरा

बीएनएम। मोतिहारी

बैगलेस सुरक्षित शनिवार में उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेपुर द्वारा बच्चों के बीच अभिनय क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और कैटवॉक प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों के प्रतिभा को निखारने का कदम बढ़ाया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में बच्चों को एक मॉडल की भांति कैटवॉक करने हेतु प्रतियोगिता करवाया गया जिसमें 5 वीं क्लास की नेहा कुमारी तृतीय ,9 वीं वर्ग की रेखा द्वितीय तो 6ठी वर्ग की जान्हवी कुमारी प्रथम रही। कार्यक्रम के दूसरे चरण में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता करवाया गया जिसमें छात्रों ने विभिन्न महान हस्तियों के पोशाक में अभिनय कर दिल जीत लिया। ग्रामीण प्रतिभा ने एक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिभा से सभी को स्तब्ध कर दिया। अभिनय कुमार ने भारत रत्न मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के किरदार निभाया तो वही मुनिल ने भारतीय किसान की भूमिका निभाया। संगम कुमारी ने झलकारी बाई ,संस्कार राज ने सरदार भगत सिंह ,शिव शंकर ने भीम राव अंबेडकर, सोनी और संगम ने इंदिरा गांधी, अभिषेक अमृत

ने पत्रकार की भूमिका तो रौशन ने मैं मूर्ख हूं की भूमिका निभाई।प्रीति और सुप्रिया ने भारतीय सैनिक की शानदार भूमिका निभाई। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में 12 वीं वर्ग की छात्रा निशा कुमारी कुशवाहा ने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के किरदार में प्रथम रही तो वही स्त्री के रूप में शानदार अभिनय से अंजली कुमारी द्वितीय स्थान , एक डॉक्टर के रूप में 10वीं की छात्रा एवं भारतीय सैनिक के रूप में सोनी रंजन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।प्रधानाध्यापक जटा शंकर प्रसाद ने शिक्षकों के साथ सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर हौसला अफजाई किए। कार्यक्रम का संयोजन सह संचालन कंप्यूटर शिक्षक मुन्ना कुमार और बिरेंद्र कुमार यादव ने किया। वही जज के रूप में सारिका सिंह, गायत्री सिंह, शशि प्रभा जैसवाल, कुमारी शिल्पा, ज्ञान प्रकाश आर्य उर्फ गुरुजी, आरके कुशवाहा अपनी अहम योगदान दिए तो वही शिक्षक में पंकज कुमार , सौरव कुमार, संजय कुमार, अली अहमद , श्रीकांत राम उपस्थित रहे। वही बाल संसद , मीना मंच, यूथ और इको क्लब के छात्र शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करें राजस्व के सभी अधिकारी : मंत्री दिलीप जायसवाल

बीएनएम। बेतिया। बेतिया समाहरणालय कक्ष में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में शनिवार को पश्चिम चंपारण में भूमि से संबंधित तमाम कार्यों की समीक्षा की गई। इसमें राजस्व संबंधी कार्यो, ऑनलाइन दाखिल खारिज, भू-लगान, अभियान बसेरा, भू-सर्वेक्षण, भूमि अधिग्रहण, भू-अभिलेखों के अद्यतीकरण, भूमि हस्तांतरण, बंदोबस्ती, लोक भूमि अतिक्रमण एवं अन्य विषयों के निष्पादन से संबंधित समीक्षा की गई। डीएम दिनेश कुमार राय ने मंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और अपने वक्तव्य में कहा कि प्रत्येक माह भूमि से जुड़े मसलों का समीक्षा होता है। राजस्व से जुड़े हर कार्य की लगातार समीक्षा हो रही है। जनता दरबार का आयोजन हर सप्ताह होता है। जिसमें लोग अपनी समस्या रखते हैं और जिला प्रशासन उनका हल निकालने की पूरी कोशिश करता है। बसेरा-2 के तहत भूमिहीनों के बीच भूमि वितरण का कार्यक्रम बगहा अनुमंडल से शुरू हो चुकी है। भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेज़ी लाई जा रही है। 200 पंचायत भवन के लिए ज़मीन उपलब्ध कराया गया है। उन सारी जानकारी को ऑनलाइन किया जा रहा है। मंत्री जयसवाल ने कहा कि ऐसी योजना की बुनियाद तलाशी जाए जिससे कि बीपीएल परिवारों को लगान के तौर पर कम पैसा देना पड़े। उन्होंने कहा की आप लोग ऊर्जावान अधिकारी है मन लगाकर काम करें। उन्होंने राजस्व से संबंधित सभी अधिकारियों को पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करने की नसीहत देते हुए कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। राजस्व विभाग इसी नीति पर कार्य कर रहा है। अधिकारी राजस्व कार्यों को निर्धारित समय में निर्धारित समय में पूर्ण पारदर्शी तरीके से निष्पादित करें। इस अवसर पर मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति जनक राम, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री, भारत सरकार, सतीश चंद्र दुबे, मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, रेणु देवी, सांसद, डॉ0 संजय जायसवाल, सुनील कुमार, विधायक, राम सिंह सहित डीएम दिनेश कुमार राय, निदेशक, भू अर्जन बिहार, कमलेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार अपर समाहर्ता, पश्चिम चम्पारण, राजीव कुमार सिंह, आजीव वत्सराज, अनिल कुमार पाण्डेय, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी, प्रमोद कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अमरेंद्र कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला राजस्व शाखा, बेबी कुमारी एवं जिले के सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी अंचल अधिकारी, सभी राजस्व अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छापेमारी में हरसिद्धि से साइबर फ्रॉड गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धी। थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत के दुदही मलाही टोला से स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को एक साइबर फ्रॉड को छापेमारी कर गिफ्तार किया। गिरफ्तार युवक राम आशीष यादव का पुत्र सिकंदर यादव बताया जाता हैं। गिरफ्तार युवक से डीएसपी अरेराज तीन दिनों से पूछताछ किया जा रहा हैं। सूत्रों को माने तो इस टीम में अठारह वर्ष से लेकर बीस वर्ष के युवा शामिल है। गिरफ्तार युवक सिकंदर यादव ने पुलिस को कई अहम सुराग बताया है, पुलिस उसके निशानेदेही पर स्थानीय पुलिस ने उसके सहयोगियों के जांच में जुटी हुई है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि उसके बताए गए ठिकानों पर छापेमारी कर अन्य सहयोगियों को गिरफतार किया जाएगा। छापेमारी में थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय, दरोगा रवि रंजन कुमार, दरोगा संतोषी कुमारी, पुलिस बल शामिल थे।

विधालय में तिथि भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। अरेराज

प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में शनिवार को तिथि भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के करीब पाँच सौ बच्चों ने आगत अतिथियों की उपस्थिति में लजीज व्यंजन का स्वाद चखा। मुख्य अतिथि एसडीओ अरुण कुमार ने कहा कि तिथि भोज से बच्चों को कुछ हद तक संतुलित एवं पौष्टिक आहार की कमी दूर की जा सकती है। यह एक सकारात्मक प्रयास है। वही डीएसपी रंजन कुमार ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों पर विशेष नजर रखें। कम उम्र में बाइक व मोबाइल की लत न लगने दें। वहीं बीईओ सुधा कुमारी ने कहा कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक के अथक प्रयास से आदर्श विद्यालय के रूप में यह विद्यालय अग्रसर है। अध्यक्षता करते हुए प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी ने कहा कि यह विद्यालय छात्र, अभिभावक व शिक्षकों की सकारात्मक सोंच से बेहतर कर रहा है। उल्लेखनीय है कि यह तिथि भोज समाजसेवी मुन्ना उपाध्याय के सौजन्य से कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बच्चियों ने समाज को आईना दिखाने के लिए भ्रूण हत्या पर आधारित एक हृदय स्पर्शी रोल प्ले किया। जिसकी खूब सराहना की गई।समाजसेवी मुन्ना उपाध्याय ने विद्यालय के बच्चे को कॉपी कलम एवं विभिन्न प्रकार के पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन जीवन ज्योति ने किया।मौके पर शिक्षक संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी, मिंटू कुमार मिश्रा, विद्यालय के भूमिदाता राजेंद्र मिश्रा, एमडीएम बीआरपी राजकुमार, नवनीत कुमार, प्रभाकर मिश्र, शशिकांत उपाध्याय मुखिया राजेंद्र बैठा विद्यालय के शिक्षक हितेश कुमार उपाध्याय, रामाशंकर पंडित, रूपा मिश्रा, कुमारी किरण मिश्रा, विनोद कुमार साव, सुधांशु कुमार पांडेय, विजय उपाध्याय, राजेश राम, हेमनारायण सिंह, प्रभाकर सिंह, संजीव मिश्रा, संजय ओझा, राजेश कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

कार्यकर्ताओं के स्वागत से अभिभूत दिखे प्रदेश अध्यक्ष

बीएनएम। सुगौली

बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का सुगौली प्रखंड के छपवा चौक पर शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं के स्वागत से श्री जायसवाल अभिभूत दिखे। प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल पार्टी कार्यक्रम में बेतिया जा रहे थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के छपवा चौक पहुंचते ही चौक पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया और प्रदेश अध्यक्ष जिंदाबाद के नारे लगाए। मौके पर पश्चिम चम्पारण सांसद डॉ संजय जायसवाल, प्रदीप सर्राफ, नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष सह वर्तमान वार्ड पार्षद श्याम शर्मा, भाजपा के महेश मिश्रा, अंकुर चौधरी, सुबोध चौधरी, मनु कुमार पाण्डेय, रामजी पासवान, मनोज सहनी, सहित अन्य मौजूद थे।

टोल टैक्स नाका के बीच की दूरी साठ किलोमीटर से कम होने के मामला ने पकड़ा तूल, सियासत गर्म

समाधान नहीं निकला तो प्रतिरोध के लिए उतरेंगे सड़क पर: विधायक

बीएनएम। सुगौली

सुगौली टोल टैक्स नाका को चालू हुये अभी एक सप्ताह भी नहीं हुए हैं। लेकिन इसको लेकर सियासत अंगड़ाइयां लेने लगी है। शनिवार को सुगौली के राजद विधायक ई. शशि भूषण सिंह ने सुगौली और चकिया टोल नाका के बीच की दूरी की जांच कराया। दोनों टोल टैक्स नाका के बीच की दूरी लगभग 50 किलोमीटर से कम थी। जो कि केन्द्र सरकार के दो टोल टैक्स नाका के बीच की मानक दूरी 60 किलोमिटर से लगभग दस ग्यारह किलोमीटर कम है। इस बावत विधायक श्री सिंह ने कहा कि इस मानक दूरी की जानकारी जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण तथा भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि टोल नाकों के बीच की मानक दूरी को लेकर केन्द्र सरकार के नियमावली के मुताबिक जिला प्रशासन सहित संबंधित विभाग को जनता के मांग के अनुसार स्थिति स्पष्ट करना चाहिए। विधायक ने कहा कि जनता की मांग के मुताबिक अगर स्थिति स्पष्ट नहीं किया जाता है तो प्रतिरोध स्वरूप हम सड़क पर उतरेंगे।

खेत में सो रहे किसान की कुदाल से काटकर हत्या, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम। पकड़ीदयाल

थाना क्षेत्र के चैता गांव में एक व्यक्ति की कुदाल से काटकर अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी और फरार हो गया। बताया जा रहा है कि चैता गांव के वार्ड नंबर 2 निवासी छोटेलाल साह की उस वक्त हत्या हो गई जब वह धान के खेत में चारपाई पर सोए थे। सोए अवस्था में अज्ञात अपराधी आए और कुदाल से काटकर हत्या कर दी। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद छोटे लाल के घर वालों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी के मुताबिक धान के खेत में पानी की कमी को देखते हुए किसान छोटेलाल अपने खेत में मोटर से पटवन कर रहे थे। पटवन देर रात तक होने के कारण वह धान के खेत में ही सो गया। उसके बाद सोए अवस्था में ही उनकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार एवं इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष शकुंतला कुमारी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर

मामले की जांच में जुट गए। मृतक के भतीजे रवि शंकर शाह ने बताया कि कुदाल से उनके शरीर को काटकर हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि छोटेलाल साह आलू प्याज का व्यवसाय भी करते थे। किसान की हत्या के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया है गांव में भी अफरातफरी का माहौल है और गोल भयभीत है। वहीं पुलिस ने बताया कि मृत किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के स्पष्ट कारणों का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मृतक के परिजन से पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक के लिए आवेदन भी नहीं आया है।आवेदन मिलने पर मृतक के परिजन जो कारण बताएंगे उसपर जांच की जाएगी। वैसे पुलिस इस हत्याकांड का खुलासा करने और अपराधियों की पहचान की दिशा में काम कर रही है।

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है।

ग़ज़लों के महासूर्य बन चमक रहे हैं दुष्यन्त

ललित गर्ग

दुष्यंत कुमार ऐसे ग़ज़लकार एवं फनकार हैं जो निराशा में आशा, अंधेरों में उजाले एवं मुर्दों में जान भर देते हैं। हिंदी कविता और हिन्दी गजल के क्षेत्र में जो लोकप्रियता उनको मिली, वैसी लोकप्रियता सदियों में किसी कवि एवं शायर को नसीब होती है। दुष्यंत एक कालजयी कवि हैं और ऐसे कवि समय काल में परिवर्तन हो जाने के बाद भी प्रासंगिक रहते हैं। उनके लिखे स्वर सड़क से संसद तक गूंजते रहे हैं। इस सृजनधर्मी बहुआयामी लेखक एवं कवि ने कविता, गीत, गजल, काव्य, नाटक, कथा आदि सभी विधाओं में लेखन किया लेकिन गज़लों के वे महासूर्य बन चमके। वे हिंदी गजल के लिए विख्यात है किंतु उन्हें यह ख्याति हिंदी गजलों के लिए नहीं, हिंदुस्तानी गजलों के लिए मिली। वे क्रांतिकारी विचारों वाले शायर हैं, उनकी शायरी को सामाजिक धारणाओं, आदर्श-व्यवस्थाओं एवं मजबूत राष्ट्रीय सोच का सूत्रपात कहा जा सकता है। जो सोयी शक्तियों को जगाता है, जो समय के साथ चलने की समाज एवं व्यक्ति को सूझ देता है। उन्होंने राष्ट्रीय-भावना, कुछ अनूठा करने के जज्बे को जीवंतता देते हुए समाज में क्रांति घटित करने का प्रयत्न किया। जब भी बात ग़ज़लों की होती है तो उर्दू जुबान ही याद आती है लेकिन दुष्यंत कुमार एक ऐसा चमकता-दमकता नाम हैं जिन्होंने हिन्दी में ग़ज़लें लिखीं और उन्हें मुकाम तक भी पहुंचाया, उनकी ग़ज़लों में आम जनमानस का दर्द नज़र आता है। शायद दुष्यंत कुमार अकेले ऐसे शायर हैं, जिनके शेर सबसे ज्यादा बार सार्वजनिक मंचों ही नहीं, संसद में पढ़े गए हैं। सभाओं में नेताओं से लेकर वक्ताओं ने उनके शेर सुनाकर व्यवस्था पर चोट की हैं एवं सरकार को जगाने और जनचेतना का कार्य किया है। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में ही हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। हममें से कितने ही लोग अपनी ज़िंदगी में इन कालजयी पंक्तियां का इस्तेमाल करते रहे हैं। उनके कई शेर हैं जो व्यक्ति में ही नहीं बल्कि पूरे समाज में क्रांति की अलख जगा देने की ताकत रखते हैं। उनकी कई रचनाओं को स्कूल के साथ ही बी.ए. और एम.ए. के पाठ्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता हैं। वहीं बहुत से शोधार्थियों ने उनके साहित्य पर पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। दुष्यंत कुमार का जन्म 01 सितंबर 1933 को उत्तर-प्रदेश के बिजनौर जिले के राजपुर नवादा गांव में हुआ था। उनका मूल नाम दुष्यंत कुमार त्यागी था लेकिन वह साहित्य जगत में दुष्यंत कुमार के नाम से जाने गए। उनके पिता का नाम श्री भगवत सहाय और माता का नाम श्रीमती राम किशोरी था। दुष्यंत का अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान ही राजेश्वरीजी से विवाह हुआ था। इसके बाद दोनों ने प्रयाग विश्वविद्यालय से हिंदी, दर्शनशास्त्र व इतिहास विषय में विवाहोपरांत साथ मिलकर बी.ए की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय से ही द्वितीय श्रेणी में एम.ए की परीक्षा पास की। यहीं से उनके साहित्यिक जीवन का आरंभ हुआ और उनके लेखन को एक नया आयाम मिला। अपने दांपत्य जीवन में उन्होंने तीन संतानों को जन्म दिया। उनके दो पुत्र और एक पुत्री थी। अपने अध्ययन के दौरान दुष्यंत कुमार साहित्यिक संस्था 'परिमल' की गोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे और 'नए पत्ते' जैसे महत्वपूर्ण पत्र से भी जुड़े रहे। इस समय उन्हें मार्गदर्शक के रूप में डॉ.रामकुमार वर्मा, डॉ. धीरेंद्र

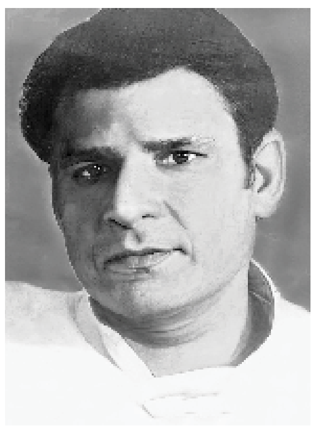

कुमार शास्त्री व डॉ. रसाल मिले तो सहपाठी के रूप में कमलेश्वर, मार्कंडय और रवींद्रनाथ त्यागी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। लेकिन जिंदगी का काफी हिस्सा मध्य प्रदेश में बीता। मध्य प्रदेश सरकार उनके नाम पर दुष्यंत कुमार पुरस्कार भी देती चली आ रही है। दुष्यंत आपातकाल के दौर में अपनी बागी रचनाओं के लिए भी चर्चित हुए थे। दुष्यंत कुमार ने केवल 42 वर्ष का जीवन पाया था लेकिन उन्होंने जिस भी विधा में साहित्य का सृजन किया वह कालजयी हो गई। उनकी रचनाएं सार्वदैशिक, सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक हैं, जो आधुनिक हिंदी साहित्य में आज भी 'मील का पत्थर' मानी जाती हैं। हिंदी अल्फाज़ की ऐसी रवानी, ऐसी ताजगी, ऐसी ऊर्जा और किसी शायर में मुश्किल से ही देखने को मिलती है। दुष्यंत की गजलों एवं शायरी में हिंदी-उर्दू अल्फाज़ का प्रयोग एक नई ताज़गी के साथ ज़ाहिर हुआ है और यह दुष्यंत की बड़ी खूबी मानी जा सकती है। दुष्यंत ने इंसानी कशमकश, जज़्बात, उदासी, महरूमी को भी बहुत फनकारी के साथ बयान किया गया है, जो उन्हें एक न भूलने वाला शायर बनाता है। इसके अलावा ज़बान की सादगी और ज़बान का हिंदुस्तानीपन दुष्यंत को अपने ढंग के सबसे अनोखे और अलबेले शायर के रूप में भी स्थापित करता है। दुष्यंत नई ग़ज़ल के माध्यम से सच बोलने एवं सच रचने का साहस किया एवं अनोखे शायर कहलाये। जिनकी शायरी तब तक ज़िंदा रहेगी जब तक गरीबों, लाचारों और बेबसों के लिए कोई न कोई आवाज़ उठती रहेगी। दुष्यंत के बारे में अच्छी और बुरी बातें हर नए दौर में कही जाती रहेंगी, लेकिन दुष्यंत ही अकेले ऐसे शायर हैं जिन्होंने उम्र भर सियासत को मुंह चढ़ाया, मगर कमाल यह है कि दुष्यंत के बाद सियासतदानों ने संसद में या संसद के बाहर, विधानसभाओं में या विधानसभाओं के बाहर अपनी बात को मनवाने और अपनी बात में ज़्यादा वजन पैदा करने के लिए दुष्यंत को ही बार-बार कोट किया है, उनकी ही गजलों एवं शायरी का सहारा लिया है। दुष्यंत का आदर्श कोरा दिखावा न होकर संकल्प की उच्चता एवं पुरुषार्थ की प्रबलता है। व्यक्ति एवं समाज क्रांति के रूप में विकृत सोच एवं आधे-अधूरे संकल्पों को बदलने के लिये दुष्यन्त ने जिजीविषा एवं रचनात्मकता के उपाय निर्दिष्ट किये हैं। दुष्यंत कुमार की संपूर्ण साहित्यिक रचनाओं एवं रचना संसार में अनेक कृतियां हैं। उनके गजल-संग्रह में साये में धूप है तो उपन्यासों में शामिल है छोटे-छोटे सवाल, आँगन में एक वृक्ष, दुहरी ज़िंदगी। उनके काव्य-संग्रह में सूर्य का स्वागत, आवाज़ों के घेरे, जलते हुए वन का वसंत हैं। गीति नाट्य है एक कंठ विषपायी। प्रमुख नाटक है और मसीहा मर गया। कहानी-संग्रह है मन के कोण। हिंदी गजल विधा के पुरोधा दुष्यंत कुमार के सम्मान में भारतीय डाक विभाग ने एक डाक टिकट जारी किया था। इसके साथ ही 'दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय' में उनकी धरोहरों को संभालने का प्रयास किया गया है। दुष्यंत कुमार की कविता 'हो गई है पीर पर्वत सी, अब पिघलनी चाहिए' के कुछ अंशों का इस्तेमाल 2017 की लोकप्रिय फ़िल्म इरादा में किये गये हैं एवं भारत में हर भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान अक्सर इसका उपयोग होता रहा है। दुष्यंत मायूसी के काले बादलों को तार-तार करने की ताक़त रखते हैं और दूसरों को भी ऐसा करने पर उकसाते हैं। दुष्यन्त हिंदी साहित्य के आकाश में सूर्य की तरह चमकते हैं और चमकते रहेंगे। आम से दिखने वाले दुष्यंत को इतनी शोहरत इसलिये मिली कि उन्होंने कभी भी शायरी अपने लिए नहीं की बल्कि जब भी कलम उठायी, अपने लोगों, अपने समाज एवं अपने राष्ट्र के लिए उठायी। जब भी दुख ज़ाहिर किया उन लोगों का किया जिनका दुख दुनिया के लिए कोई मायने नहीं रखता था। ऐसे लोग जो अपने दुख अपने सीनों में लिए जीते रहते हैं और ऐसे ही मर जाते हैं, उन लोगों के दर्द को आवाज देने वाला दुष्यन्त महान् रचनाकार है। उनकी शख्सियत अब इतनी बड़ी हो गई हैं कि किताबों की क़ैद से बाहर निकल कर जन-जन की आवाज बन गयी हैं और इतने तेज़ रफ्तार भी हो गई हैं कि सरहदों को मुंह चिढ़ाते हुए शायरी समझने वाले देश एवं दुनिया के लोगों के दिलों में बस गयी है। दुष्यंत को सिर्फ सियासत को आइना दिखाने वाले शायर ही समझ लेना उनकी शायरी की अनदेखी करना है, जो कि हम लोग वर्षों से करते आ रहे हैं। दुष्यंत अपने हाथों में अंगारे लिए नज़र आते हैं, मगर दूसरी तरफ उनके सीने में वह महकते हुए फूल भी हैं जो जवां दिलों को महकाते हैं और प्रेम की एक अनदेखी और अनजानी फिज़ा भी क़ायम करते हैं। दुष्यंत की रूमानी शायरी में भी उनका खुरदुरापन उसी तरह मौजूद है, मगर यह खुरदुराहट दिल पर ख़राशें नहीं डालती बल्कि एक मीठे से दर्द का एहसास कराती चली जाती है।

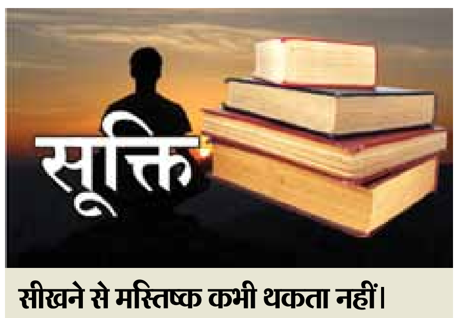

सीखने से मस्तिष्क कभी थकता नहीं।
अज्ञात

सही प्रश्न पूछना में मेघावी बनने का मार्ग है।
स्टीनमेज

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चर्तुदर्शी, रविवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, वल योगे, विशिष्ट करणे, कर्क की चंद्रमा, भद्रा दो. 3/30 तक सर्वार्थ सिद्धयोग व्यापार मुर्हूत चर्तुदर्शी क्रत, उग्रकर्म तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, दार्शनिक, सुंदर तथा जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल, इंजीनियर, आर्किटेक्चर, सैनिक, सिपाही, कमाण्डर, बिग्रेडियर, कर्नल, उत्तम वृत्ति वाला, कार्यकुशल उत्तम वक्ता, प्रशासनिक अधिकारी तथा जन सेवक पार्टी नेता तांत्रिक तथा तंत्र मंत्र वाला पंडित तथा विद्वान होगा।

मेष :- किसी के द्वारा धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय तथा परिश्रम विफल होगा।

वृष :- समय अनुकूल नहीं है, लेन-देन के मामले विफल रहेंगे, व्यर्थ विवाद से बचें।

मिथुन :- व्यर्थ समय नष्ट होगा, यात्रा प्रसंग में थकावट व बेचैनी बनी रहेगी, समय समस्या का ध्यान रखें।

कर्क :- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह :- परिश्रम से कार्यपूर्ण होंगे, तर्क-वितर्क से विजय प्राप्त हो, सफलता मिले, धन का लाभ होगा।

कन्या :- व्यवसायिक अनुकूलता से असंतोष किन्तु कार्य-व्यवस्था अनुकूल बनी रहेगी।

तुला :- किसी तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, कुछ उदविघ्नता से परेशानी बने, मित्रों से लाभ होगा।

वृश्चिक :- परिश्रम से कार्य में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व की चिन्ता बनेगी।

धनु :- स्त्री वर्ग से उल्लास, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

मकर :- स्वभाव में क्लेश व अशांति, व्यर्थ विभ्रम, भय तथा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।

कुम्भ :- कार्यगति अनुकूल रहेगी, चिन्ताएW कम होंगी तथा विलासिता के साधन जुटायेंगे।

मीन :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा।

तत्काल न्याय संवैधानिक नहीं तानाशाही का परिचायक

सनत जैन

हाल के वर्षों में बुलडोजर, जेसीबी, और अब हाइड्रा मशीनें भारत के कुछ राज्यों में अपराधियों के खिलाफ त्वरित न्याय कार्रवाई का प्रतीक बन गई हैं। इस त्वरित न्याय प्रणाली का उपयोग अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने के लिए कई राज्य सरकारों द्वारा किया जा रहा है। तथाकथित अपराध के नाम पर संपत्तियों को बिना कानूनी प्रक्रिया के ध्वस्त किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में विशेष रूप से देखी गई है। इस तरह की कार्रवाई को तत्काल न्याय के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस तरह की कार्रवाई को शुरुआत में जनता द्वारा सराही गई। यह उन माफियाओं और अपराधियों पर नकेल कसने का प्रतीक मानी गई, जो लंबे समय से कानून की जद से बाहर थे। कई राज्य सरकारों द्वारा पिछले कुछ महीनो से एक व्यक्ति द्वारा किए गए अपराध मे एक समुदाय विशेष, अल्पसंख्यकों को लक्षित कर तुरंत न्याय के रूप में बुलडोजर का उपयोग किया जा रहा है। आरोप है कि किसी घटना के बाद अपराधी के घर और उसकी संपत्तियों को अवैधानिक अतिक्रमण मानते हुए बिना उचित न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए बिना निर्दोष लोगों अथवा परिवार के अन्य सदस्यों को जिनका अपराध से कोई लेना-देना नहीं था, उनको भी शिकार बनाया गया है। बुलडोजर संस्कृति की न्याय व्यवस्था में एक व्यक्ति के अपराध का दंड पूरे परिवार या समुदाय को भुगतना पड़ रहा है। एक किराएदार द्वारा किए गए अपराध के लिए मकान मालिक की संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। इस तरह की कार्रवाइयों के पीछे अवैध निर्माण का हवाला देकर बिना उचित नोटिस या कानूनी प्रक्रिया के संपत्तियों को गिराया गया, जिससे यह सवाल उठता है, कि क्या यह वास्तविक न्याय है, या प्रतिशोध की राजनीति?अप्रत्यक्ष रूप से न्यायालय के अधिकार प्रशासन और पुलिस ने अपने हाथ में ले लिए हैं। कुछ मामलों में न्यायालय में आरोप प्रमाणित नहीं हुए। अदालत ने निर्दोष बरी कर दिया गया। किन्तु प्रशासन ने उसके परिवार को बेघर कर दिया। लाखों रूपये का मकान गिरा दिया। अपराधी को कई दिनों तक जेल में बंद रखा। सामाजिक प्रतिष्ठा खत्म कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ मामलों में हस्तक्षेप किया है, लेकिन अभी तक इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए कोई ठोस कदम हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा नहीं उठाया गया है। संविधान और कानून की परवाह किए बिना प्रशासनिक ताकतों द्वारा मनमानी और तानाशाही करने का यह स्पष्ट उदाहरण है। संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का हनन कई राज्य सरकारों द्वारा खुले आम किया जा रहा है। यह देश की न्याय व्यवस्था और संविधान पर गहरी चोट है। संविधान और न्यायपालिका को अपना अस्तित्व बनाए रखना है, ऐसी स्थिति में इस तरह की त्वरित न्याय प्रणाली को बंद कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर सख्त रुख अपनाना होगा। ऐसे सभी मामलों में जहां बिना उचित न्यायिक प्रक्रिया के अभाव में बुलडोजर से कार्रवाई की गई है। उन्हें न्याय दिलाना न्याय पालिका की जिम्मेदारी है। जिन परिवारों और जिन व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है। उन लोगों को संबंधित राज्य सरकार और संबंधित प्रशासकीय अधिकारियों से मुआवजा दिलवाया जाए। जिनकी संपत्ति और सम्मान को बिना किसी ठोस आधार के ध्वस्त कर संवैधानिक अधिकारों को असंवैधानिक तरीके से खत्म किया गया है। स्वतः संज्ञान लेकर न्यायपालिका तत्काल न्याय की प्रवृत्ति पर रोक लगाए। न्यायपालिका सुनिश्चित करे, शासन और प्रशासन कानून का पालन करें, नाकि उसका दुरुपयोग हो। दंड और प्रशासकीय प्रक्रिया का पालन संविधान एवं कानून के दायरे में रहकर ही होना चाहिए। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम रखना ही लोकतंत्र की सच्ची पहचान है, इसे किसी भी परिस्थिति में कमजोर नहीं किया जा सकता। किसी एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार अथवा एक समुदाय को नहीं दी जा सकती है। भारत में लोकशाही का राज है, तानाशाही का नहीं, इस बात को ध्यान में रखना होगा। तानाशाही में ना तो प्रजा सुरक्षित रहती है, नाही राजशाही से जुड़े हुए पदाधिकारी सुरक्षित रहते हैं। तानाशाही केवल तानाशाह को सुरक्षित बनाती है। तानाशाही तब तक सुरक्षित रहती है। जब तक जनता इसका विरोध नहीं करती है। जब जनता विरोध में सड़कों पर उतरकर आती है। तो बड़े से बड़े तानाशाह का अस्तित्व कुछ ही मिनटों में समाप्त हो जाता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में बुलडोजर संस्कृति और त्वरित न्याय के नाम पर जो हो रहा है, वह स्वीकार करने योग्य नहीं है।

अब यूनिफाइड पेंशन स्कीम चर्चा में ....

चैतन्य भट्ट

सरकार ने करोड़ों सेवानिवृत्त लोगों के बुढ़ापे का एकमात्र सहारा पेंशन को नई यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लाकर फिर चर्चा में ला दिया है। सरकार इसे ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) और न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के बीच का कर्मचारी हितैषी मार्ग बता कर पेश कर रही है तो विपक्ष यूटर्न पेंशन स्कीम कहकर इसका मजाक उड़ा रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में पेंशन प्रचार के प्रमुख बिंदुओं में से एक थी और संभवतः इसने चुनाव परिणाम काफी हद तक प्रभावित कर भाजपा को स्पष्ट बहुमत पाने से रोक दिया था। इसीलिए चर्चा है की सरकार ने यह योजना महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू कश्मीर में चुनावी फायदे के लिए लागू की है। बहरहाल यह नहीं भूलना चाहिए कि ओपीएस लागू करने के बावजूद कांग्रेस छत्तीसगढ़ और राजस्थान पिछला विधानसभा चुनाव बुरी तरह हार चुकी है। 2004 के पूर्व अंतिम आहरित वेतन के आधे के बराबर पेंशन की गारंटी वाली ओपीएस में कर्मचारी अंशदान जरूरी नहीं था। संपूर्ण व्यय सरकारी कंधों पर था। निरंतर बढ़ते पेंशन व्यय को संतुलित करने के लिए 2004 से लागू एनपीएस में कर्मचारियों और सरकार का 10 प्रतिशत समान अंशदान अनिवार्य कर दिया गया। 2019 में सरकारी अंशदान मूल वेतन और डीए का 14 प्रतिशत कर दिया गया. यह राशि भविष्य के पेंशन भुगतान के लिए शेयर मार्केट समेत अन्य वित्तीय संसाधनों में लगाने का प्रावधान था। कर्मचारियों को विभिन्न वित्तीय विकल्पों के बीच चुनने का अधिकार तो था मगर इसमें इन वित्तीय विकल्पों का सीमित ज्ञान बाधक था। यह पेंशन मार्केट के उतार-चढ़ाव के आधार पर परिवर्तनीय थी। इसमें शामिल कर्मचारी हाल के सालों में रिटायर होने लगे हैं और शिकायत है कि उनकी पेंशन कभी 100 तो कभी 120 रुपये प्रतिमाह होती है, ऐसे में वे ज़िंदगी कैसे बिताएं। बनारस के एक कॉलेज के प्रिंसिपल क़रीब डेढ़ लाख की सैलरी थे पर पेंशन 4,044 बनी। यही वजह है कि इसे रद्द कर ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग जोरों पर थी। सरकार ने अपने चिर परिचित अंदाज में नई पेंशन योजना पर भी कर्मचारी संगठनों से विमर्श जरूरी नहीं समझा। नयी योजना में रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी कुल संयोजित राशि का 60 प्रतिशत निकाल सकते हैं। बाकी 40 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और निजी कंपनियों द्वारा प्रमोट किए गए पेंशन फ़ंड मैनेजर्स की विभिन्न स्कीमों में लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। ग्रैच्युटी के अलावा नौकरी छोड़ने पर हर छह महीने की सेवा पर मूल वेतन और महंगाई भत्ते का दसवें हिस्से के बराबर एकमुश्त रक़म देने का प्रावधान भी है। नई योजना के कई प्रावधानों पर ओपीएस लागू कराने की मांग कर रहे कर्मचारी संगठन नाराज हैं। कर्मचारी के अपने अंशदान को निकालने को लेकर प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं। यूपीएस में फुल पेंशन के लिए 25 साल की सीमा तय है इसलिए अर्द्धसैनिक बलों समेत 25 साल की सेवा के पूर्व रिटायर हो जाने वाले अनेक कर्मचारी इस फायदे से बाहर हो गए हैं। सेवा के दौरान मृत्यु पर आधा वेतन पेंशन के रूप में मिलने का प्रावधान भी अस्पष्ट है। कहने वाले तो यहां तक कह रहे हैं कि अगर यह नई पेंशन योजना इतनी ही प्रभावी और हितकारी है तो इसे सांसदों और विधायकों के लिए लागू क्यों नहीं किया जा रहा। देश के अन्य करोड़ों सेवानिवृत्त लोगों पर लागू कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े रिटायर्ड लोगों की न्यूनतम पेंशन 7500 रुपए किए जाने की मांग अलग लंबित है। इसकी वर्तमान न्यूनतम राशि इतनी कम है कि खुद सरकारी मापदंडों के आधार पर दो जून की रोटी का इंतजाम असंभव है। संबंधित सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा पेंशन राशि में वृद्धि समेत उनके और जीवनसाथी के लिए पूर्ण चिकित्सा सुविधा दिए जाने की मांग भी रखी गई है। विरोध प्रदर्शन कर रहे पेंशनभोगी पिछले आठ वर्षों से प्रतीक्षारत हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। पेंशन को प्रभावित करने वाला एक

अन्य महत्वपूर्ण घटक वेतन पुनरीक्षण भी है। आमतौर पर सरकारी कर्मचारियों के वेतन में संशोधन के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर 10 साल में वेतन आयोग का गठन किया जाता है। पिछले आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से लागू हुई थीं अतः नया वेतन पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 से देय है। सातवें वेतन आयोग के गठन और वास्तविक वेतन पुनरीक्षण में दो साल के लगभग समय लगा था। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा केंद्र सरकार की ओर से राज्यसभा को दी गई जानकारी के अनुसार 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन के लिए उसे 2 आवेदन प्राप्त हुए हैं, लेकिन वर्तमान में आयोग के गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सांसदों विधायकों के लाभों संबंधी निर्णय प्राथमिकता के आधार पर लेने वाली सरकार कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण पर कतई गंभीर नहीं दिखाई देती। दो साल पहले आई सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे रिपोर्ट के अनुसार आजादी के बाद लोगों की औसत आय दुगनी होकर 70 वर्ष हो जाने से बुजुर्गो की संख्या निरंतर बढ़ रही है। वहीं बच्चों द्वारा बुजुर्ग माता पिता की देखभाल का सामाजिक ताना बाना ऐसा छिन्न-भिन्न हो रहा है कि सरकार को बुजुर्ग माता पिता की देखभाल पर विवश करने के लिए कानून बनाने पड़ रहे हैं। बेलगाम महंगाई, निरंतर बढ़ता चिकित्सा खर्च और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर हो रही कमी बुजुर्गो की दुश्वारियां बढ़ा रहा है। सरकार का आलम यह है कि सहानुभूति तो छोड़िए, स्वास्थ्य बीमा की प्रीमियम राशि पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाए बैठी है।

नशे के खिलाफ जंग, सरकार की अच्छी पहल

योगेश कुमार सोनी

पहली बार केन्द्र सरकार ने नशे के खिलाफ बड़ा बयान देते हुए व्यापक रूप से फैले इसके नेटवर्क के खिलाफ कारगर मुहिम चलाने की बात कही है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मादक पदार्थ के अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इससे निपटने के लिए नेटवर्क पर प्रहार करना होगा। शाह ने कहा कि इससे उत्पन्न होने वाला धन, आतंकवाद व नक्सलवाद को बढ़ावा देता है और अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। यदि दृढ़ निश्चय और रणनीति के साथ बढ़ा जाए तो इस खतरे के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं। गृह मंत्री ने मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान व अवैध कारोबार को खत्म करने के लिए चार सूत्र दिए और कहा कि हमें मादक पदार्थों की पहचान करने, नशे के सौदागरों का नेटवर्क नष्ट करने, अपराधियों को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों के पुनर्वास पर जोर देना होगा। जितनी सरलता से यह बात कही गई, यह उतनी ही मुश्किल है। चूंकि नशे के कारोबारियों ने बहुत बड़े स्तर पर अपना जाल बिछा दिया। आज मादक पदार्थ गली-गली में इतनी आसानी से मिल रहे हैं जैसे परचून की दुकान पर टॉफी-बिस्कुट। मादक पदार्थ बहुत तेजी से युवाओं को निगल रहा है। आज युवाओं की पार्टी में चरस, गांजा, अफीम, हेरोइन व ब्राउन शुगर के अलावा कई प्रकार के नशे की सामग्री का होना आम बात हो गई। यह सभी मादक पदार्थ पार्टी के पर्यायवाची बन चुके हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चों में इस नशे का क्रेज लगातार पढ़ रहा है। कॉलेज में लड़के-लड़कियां जमकर इस तरह का नशा कर रही हैं। हम देखते रहे हैं कि नशे की वजह से हर रोज हजारों घर बर्बाद हो रहे हैं। यदि इस पटकथा के निर्माता की बात करें तो वह है पुलिस-प्रशासन। चूंकि इस तरह के मादक पदार्थ बिना प्रशासन की मिलीभगत के नहीं बिक सकता। कहा जाता है कि मादक पदार्थ बिकवाने की अनुमति के पुलिस लाखों रुपये लेती है। यह मादक पदार्थ बेचने वाले एक कॉल पर डिलीवरी देने आ जाते हैं और प्रशासन की नाक के नीचे खुला खेल चलता है। विशेषज्ञों के अनुसार नशा मनुष्य के सोचने-समझने की शक्ति के साथ पूरे शरीर पर प्रहार करता है। इसका प्रहार ऐसा होता है कि धीरे-धीरे शरीर नष्ट हो जाता है। यह एक ऐसा धीमा जहर है कि लोग जब तक इसके दुष्परिणामों को समझ पाते हैं तब तक उनका अंत हो जाता है। नशा कई रूपों में किया जाता है- शराब, तंबाकू, पाउच व आर्टिफिशल मादक पदार्थ आदि सभी नशे की श्रेणी

में आते हैं। आज नशे का सेवन भारत में सबसे अधिक होता है। लाखों संस्थाए भले नशे पर प्रतिबंध को लेकर जागरुकता कार्यक्रम करती हों लेकिन वास्तव में यह दुनिया भर में एक वर्ष में 54 लाख जानें ले रहा है। दुनिया में एक अरब लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। भारत की बात करें तो सालाना 9 लाख मौतें तंबाकू व लगभग चार लाख मौतें चरस, गांजा, अफीम व हेरोइन से होती हैं। दस में से एक मौत में तंबाकू वजह बनती है। वहीं, विश्व में सभी तरह के नशे को लेकर सेवन में भारत का दूसरा स्थान है। यह बेहद पीड़ा देने वाला आंकड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार 2030 तक 80 लाख लोगों की नशे की वजह से मौतें होंगी। डब्लूएचओ द्वारा वर्ष 1988 से दुनिया को नशे के दुष्परिणामों से सचेत करने के लिए 31 मई को विश्व तंबाकू दिवस मनाया जाता है। बावजूद इसके लोग जागरूक होने की बजाय नशे के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके अलावा कॉरपोरेट जगत में सिगरेट के अलावा बड़े स्तर के नशे करना स्टेटस सिंबल बन गया। अब चिंता का विषय यह बनता जा रहा है कि स्कूल व कॉलेज की बच्चे नशा करने लगे। नशे के क्षेत्र में हर रोज परिस्थितियां विपरीत होती जा रही हैं। बीते दिनों भारत में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की हेरोइन पकड़ी गई थी, जिससे पाकिस्तान के नशा माफियाओं को करोड़ों रुपयों का फायदा होता और वह पैसा आतंकवाद में प्रयोग होता। जैसा कि भारत में कुछ मादक पदार्थ गैर-कानूनी तरीके से बाहरी देशों से आते हैं। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुरानी घटनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से कमाया हुआ पैसा आतंकवाद में लगता आया है। इस तरह का पैसा आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराता है। इसी साल मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया था। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह हमारे देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। इसके अलावा गुजरात के तट पर 150 किलो ड्रग्स ले जा रही नौका को जब जब्त किया गया और छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरुआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। बहरहाल, केन्द्र सरकार की ओर नशे के माफिया पर नकेल कसना बेहतर कदम है लेकिन इसमें धरातल पर काम करने की जरूरत है। विभाग चाहेगा तो यह बेहद सरल है अन्यथा यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। जटिल इसलिए कहा जा रहा है कि नशे के सौदागर सिस्टम को इतना ज्यादा पैसा ऑफर करते हैं कि वह मना नहीं कर पाता। इस खेल में पैसा बहुत है जिसमें शासन-प्रशासन के बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। यदि सही से जांच की जाए तो न जाने कितने बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। इसलिए इस तंत्र को भेदना आसान नहीं होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आप दुनिया की बेस्ट मॉम हैं क्योंकि अपने बच्चे के साथ आप दोस्ताना व्यवहार करती हैं। माता-पिता बच्चे के दोस्त तो बन जाते हैं, पर इस रिश्ते की कुछ सीमाएं भी होती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए इन सीमाओं को अपनाना भी जरूरी है।

बच्चे से दोस्ती कितनी सच्ची?

मिष्ठी के लिए दोस्ती का मतलब है उसकी मां रितु। रितु से वो सबकुछ साझा करती है। सुबह स्कूल जाने से लेकर घर वापस आने तक की बातें तो बताएगी ही, साथ ही वह हर घटना पर अपनी राय, जैसे उसको क्या अहसास हुआ, किस बात पर गुस्सा आया, किस बात पर हंसी, सब अपनी मां से साझा करती है। मगर यह दोस्ती तब तक अच्छी है, जब तक वह अपनी उम्र के हिसाब से सोच रही है। क्योंकि उसको अपनी बातों पर मां की राय भी मिलती है इसलिए कहीं वो मां के हिसाब से तो दुनिया को नहीं देखने लगी? इसका खयाल मां रितु को ही रखना होगा। ध्यान देना होगा कि मिष्ठी से जब वह दिल की बातें करें तो अपनी और उसकी उम्र याद रखें।

बच्चे की गाइड– माता-पिता होने के नाते आपको ध्यान रखना होगा कि आपको बच्चे के लिए कोच, सपोर्टर, गाइड और एजुकेटर की भूमिका निभानी है। इसमें कोई कोताही न हो, तभी बच्चे की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। आपको यह याद रखना होगा आपका यह दोस्त असल में आपका बच्चा है, जिसकी उम्र बहुत कम है।

बिगड़े ना रिश्ते का संतुलन– आज 15 साल की उम्र में रोहन की यह दोस्ती कुछ ऐसी हो गई है कि लोग रोहन को बदतमीज कहने लगे हैं। दरअसल जैसे पापा को रोहन की गलती पर उसे डांटना चाहिए, ठीक वैसे ही वह भी पापा को उनकी गलतियां याद दिलाने लगा है। बस, यहीं पर माता-पिता और बच्चों के बीच दोस्ती का मामला बिगड़ जाता है। जरूरत है कि बच्चे के दोस्त तो बनें, पर यह न भूलें कि सुझाव तो दोनों एक-दूसरे को दे सकते हैं। पर, राह सिर्फ आप बेटे को दिखा सकते हैं, बेटा आपको नहीं। बच्चे को आपके उम्र और अनुभव की कद्र करनी होगी।

कमजोरियां न ही बताएं– कोशिश कीजिए कि बच्चे को आप परफेक्ट लगें, ऐसे कि आप उसके लिए सब कुछ अच्छा करेंगे। इसके साथ जिंदगी में आप किन परेशानियों से जूझ रहे हैं, किससे मन-मुटाव है, जैसी बातें भी बच्चों से दूर ही रखिए।

हल बताएं नहीं, पूछें– हालांकि दोस्त का काम परेशानी में पूरा साथ देना और हल बताना होता है, पर आप हमेशा ऐसा न करें। मान लीजिए कोई उसका मजाक उड़ा रहा है। इससे उसके विकास में कमी आएगी। ऐसे में बच्चे से पूछें कि इस समस्या का समाधान क्या है। वो ऐसा नहीं कर पा रहा है तो भी आप बस हिंट दें। बच्चे की राय लें कि 'फलां तरह हल निकल सकता है या कोई और रास्ता सही रहेगा' फिर बच्चा जो राह चुने, उसे चुनने का उससे कारण जरूर पूछें।

कब पेरेंट्स का रोल निभाना है– आपको पता होना चाहिए कि कब आपको दोस्त का जामा उतारकर पेरेंट्स बनना है। अब उसकी परेशानी का समाधान आप ढूंढेंगी, क्योंकि यह बच्चे के बस की बात नही है। हो सकता है कोई उसका शोषण कर रहा हो या किसी भी दूसरी तरह से बेवजह बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा हो।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक – बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कमी को पूरा करने के लिए माता-पिता को बच्चों के दोस्त बनने की सलाह दी जाती है। इससे एक-दूसरे के बीच समझ बनती है और बच्चे अपनी बात खुल कर कह पाते हैं। रिश्ते में नियमों की बात करें, तो रहन-सहन का परिवेश भी कई नियम बनाता है। जैसे नॉर्थ ईस्ट में लड़के-लड़की की दोस्ती बड़ी बात नहीं है। आप बच्चे को इसके लिए नहीं टोकेंगी, पर यही नियम देश के अन्य हिस्सों में बदल जाता है।'

बच्चे में लाएं अनुशासन – दोस्त बने पर हमकदम नहीं। कुछ काम उसे अकेले भी करने दें। बच्चों से घर के छोटे-मोटे काम जरूर करवाएं। अपने जीवन में आपने जो सीमाएं बनाई हैं, उनको बच्चों के साथ जरूर बांटिए। उनसे जीवन के कुछ नियमों को हर दिन के कामकाज में लागू करने को कहें। अगर आप बच्चे के साथ कुछ ज्यादा ही जुड़ गई हैं, तो आज ही से सकारात्मक तरीके से उसमें आवश्यक कमी लाना शुरू कर दें।

ताकि बने व्यक्तिगत पहचान – बच्चे के दोस्त तो बनिए, पर इस दोस्ती के चक्कर में उसकी व्यक्तिगत पहचान को न भूलिए। मतलब दोस्त तो बनें, पर हमेशा साथ रहने वाला दोस्त नहीं, ताकि बच्चे को भी खुद की पहचान का अहसास हो। कुछ जिम्मेदारियां वह खुद उठाए और अहसास करे कि हमेशा कोई साथ नहीं होगा। आगे चलकर ढेरों काम खुद करने होंगे। इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ेगी।

क्या है ज्यादा जरूरी फैशन या सेहत?

फैशन भी बहुत अजीब है। खुद को खूबसूरत बनाने और अपने फैशन की धाक जमाने के लिए सेलेब्रिटी क्या-क्या नहीं करते? कहीं न कहीं वे इस बात को भूल जाते हैं कि फैशन का खामियाजा उनके शरीर को ही भुगतना पड़ता है। जब विक्टोरिया बेखम को प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शादी में हाई हील्स पहने हुए देखा गया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि पूरी दुनिया हाई हील्स के प्रति उनके प्यार को बखूबी जानती है। लेकिन, सबकी आंखें उस वक्त ठिठक गईं, जब बेटी के जन्म के बाद उन्होंने बिना हील्स वाली फुटवियर पहननी शुरू कर दी। दरअसल, प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक हाई हील्स पहनने की वजह से वो स्लिप डिस्क का शिकार हो गई थीं, जिसकी वजह से उन्हें हाई हील्स से तौबा करनी पड़ी। अब यहां सवाल यह उठता है कि स्लिप डिस्क होता क्या है और हाई हील्स का इससे क्या रिश्ता? हालांकि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कमर दर्द की शिकायत होना आम बात है क्योंकि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल व शारीरिक बदलाव होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी समय में तो शरीर का विकास इतना अधिक हो जाता है कि कई अंगों पर दबाव पड़ने लगते हैं।

ऐसी स्थिति में हाई हील्स पहनने से हमारे पैरों के अंगूठे से लेकर हिप्स, स्पाइन, कंधे आदि पर शरीर का अतिरिक्त भार आ जाता है, जिससे उनके बीच में संपर्क स्थापित करने वाली नसें भी बोझिल हो जाती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक, खासकर प्रेग्नेंसी में अगर हाई हील्स पहनी जाए तो वे कमर व गर्दन पर बुरा असर करती हैं।

कितनी ऊंची पहनें हील्स

अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान कमर दर्द या उससे संबंधित किसी भी बीमारी से बचना चाहती हैं तो 1.5 इंच से ज्यादा ऊंची हील्स न पहनें। अगर आप की लंबाई कम है और आपको थोड़ा सा लंबा दिखना है तो कभी-कभार 3 इंच की हील्स पहन सकती हैं, लेकिन रोजाना इन्हें इस्तेमाल में न लाएं। प्रेग्नेंसी में केवल फ्लैट फुटवियर पहनना ही महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। यदि आपको रोजाना अधिक चलना पड़ता है तो हाई हील्स न ही पहनें। ज्यादा ऊंची हील्स आपके शरीर के बैलेंस को बिगाड़ सकती है। कई मामलों में यह स्लिप डिस्क का कारण भी बन सकता है।

स्लिप डिस्क की हो सकती हैं शिकार

स्लिप डिस्क को हर्नियेटिड डिस्क भी कहा जाता है। जब भी शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है या रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है जैसे गलत तरीके से उठना-बैठना, बार-बार झुकना, झुककर बैठना, व्यायाम न करना, प्रेग्नेंसी आदि की स्थिति में स्लिप डिस्क की आशंका और बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन खासकर पेट और कमर के हिस्से में दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी पर भी कभी-कभी गलत असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ने लगता है और इससे कमर के निचले हिस्से और गर्दन पर भी असर होता है। ऐसे में अगर लगातार हाई हील्स पहनी जाए, तो डिस्क पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शुरुआत अक्सर भयानक कमर दर्द से होती है। नसों में एक अजीब प्रकार का खिंचाव व झनझनाहट स्लिप डिस्क का एक बड़ा लक्षण है। यह झनझनाहट पूरी नस में दर्द उत्पन्न करती है जो कष्टदायक होता है। इसके अलावा प्रभावित जगह पर सूजन होना भी इस दर्द को और अधिक जटिल बना देता है।

इन बातों का ध्यान दें

प्रेग्नेंसी में हाई हील्स न पहनें, खासकर अंतिम महीनों में। उठने-बैठने के तरीके में परिवर्तन करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें। कमर झुकाकर या कूबड़ा निकालकर न बैठें और न ही चलें। यदि बैठे-बैठे ही अलमारी की रैक से कुछ उठाना है तो ध्यान रहे कि पेट पर सारा दबाव न पड़े। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। नरम या गुदगुदे से बिस्तर पर न सोएं बल्कि सपाट पलंग या तख्त पर सोएं। ताकि पीठ की मांसपेशियों को पूरा विश्राम मिले। तनाव की स्थितियों से बचें। चिंता दूर करने के लिए टहलें। ध्यान करें और खुश रहें।

प्रेग्नेंसी के दौरान फैशनेबल दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं अपनी सेहत को भी अनदेखा कर जाती हैं। पर, यह अनदेखी कभी-कभार प्रेग्नेंसी के दौरान और कभी बच्चे के जन्म के बाद सेहत पर भारी पड़ जाती है। गर्भावस्था में हाई हील्स से दूर रहने की सलाह क्यों दी जाती है

बच्चे को हो जाएगा अपने खाने से प्यार

जब तक बच्चा सिर्फ दूध पर निर्भर है, तब तक तो कोई परेशानी नहीं। पर जैसे ही वह छह माह का हुआ, उसे ठोस आहार देने की शुरुआत हो जाती है। पर ठोस आहार देने की शुरुआत के साथ संभव है कि बच्चे को पाचन संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़े। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के शुरुआती आहार का चुनाव सोच-समझकर करें।

बच्चा को कब दें ठोस आहार

बच्चे को ठोस आहार की शुरुआत छह माह से कर देनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे को ठोस आहार तब ही देना शुरू करें, जब बच्चे का सिर स्थिर हो जाए।बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह ठोस आहार को कुछ देर मुंह में रखने के बाद उसे निगलना सीखने लगे। अमूमन शुरुआत में बच्चा खाने को चीभ से बाहर ठेलना ही जानता है। खाने को निगलने की प्रक्रिया को वह धीरे-धीरे सीखता है। बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह सहारा लेकर बैठना शुरू कर दे।

बच्चे को ठोस आहार देना धीमे-धीमे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। खुराक कैलोरी व प्रोटीन से भरपूर होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें, जिनसे बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। शुरुआत में आप अपने शिशु को कोमल कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ दे सकती हैं, जैसे कि सूजी की खीर, घी वाली खिचड़ी, दलिया, कुचला हुआ केला आदि। आपके शिशु के लिए इस उम्र में आयरन बेहद अहम है। जो शिशु मां के गर्भ में वक्त पूरा करके जन्म लेते हैं उनके शरीर में आयरन का भंडार छह महीनों तक रहता है। उसके बाद उसके शरीर से आयरन का भंडार कम होने लगता है और उसे अपनी खुराक में आयरन चाहिए होता है। इस लिहाज से आयरन युक्त खाद्य को खास महत्व देना चाहिए। कुचली हुई सब्जियों से शुरुआत करें और फिर धीरे-धीरे उसे अन्य चीजें खिलाएं। दालें, फलियां, अंकुरित दालें, ब्रोकली व बंदगोभी आयरन का अच्छा स्त्रोत हैं। इस बात को भी ध्यान में रखें कि बच्चे को जब पहले-पहल ठोस खाद्य पदार्थ दिया जाता है तो कुछ दिनों तक उसे कब्ज, अपच, पेट दर्द या इस तरह की अन्य परेशानियां हो सकती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के खाने की शुरुआत सेमी-लिक्विड फूड से करें, साथ तरल पदार्थ और पानी ज्यादा दें। परेशानियों को दूर भगाने में हमदर्द की जन्म घुट्टी और हमदर्द बेबी केयर रेंज के अन्य प्रोडक्ट भी आपकी मदद कर सकते हैं।

क्या है पोषक तत्वों की भूमिका

आयरन, बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के अलावा हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जरूरी है। हीमोग्लोबिन कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। कैल्शियम व फॉस्फोरस हड्डियों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। बच्चे को प्रचुर मात्रा में कैल्शियम देने की सलाह दी जाती है ताकि बाद में फैक्चर आदि की आशंका कम हो। विटामिन ए, विटामिन ई, आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। प्रोटीन बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है और यह शरीर के ऊतकों के निर्माण व मरम्मत के लिए जरूरी है। अगर ऊर्जा की जरूरत पूरी न हो तो हो सकता है कि शरीर प्रोटीन को ऊर्जा के लिए प्रयोग करे और इससे बच्चे के विकास और वृद्धि पर विपरीत असर पडेगा।

खाना खजाना

शाकाहारी मुगलई कोफ्ते

सामग्री – 200 ग्राम आलू, 150 ग्राम गाजर, 250 ग्राम टमाटर, 200 ग्राम फूलगोभी, दो छोटे चम्मच बेसन, 2 स्लाइस ब्रैड, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच मिर्च, आधा छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, आधा छोटा चम्मच घी

ग्रेवी के लिए – हरी मिर्च, अदरक का 1 टुकड़ा, खसखस के 2 चम्मच, टमाटर 4 बड़े, काजू 50 ग्राम, किशमिश 50 ग्राम, पनीर 100 ग्राम, गर्म मसाला 1 चम्मच, पानी 3 कप, नमक, मिर्च एवं धनिया अंदाजे से।

विधि – मटर के दाने निकाल कर उसमें आलू, गाजर, गोभी के छोटे-छोटे टुकड़े मिला लें। पानी डालकर कूकर में तब तक पकाएं जब तक सब्जियां गल न जाएं। फिर पानी निकाल कर रख लें। उबली हुई सब्जियों में सूखा भुना बेसन, ब्रैड और मसाले डाल कर मैश कर लें । थोड़ा सा घी हाथ पर लगा कर छोटे-छोटे रोल बनाएं तथा बाद में गर्म घी में तल कर रख दें।

ग्रेवी बनाने की विधि – प्याज बारीक पीस लें। खसखस, अदरक व हरी मिर्च एक साथ पीस लें। तेल गर्म करके प्याज लाल होने तक भूनें, बाद में खसखस का बनाया पेस्ट डाल कर थोड़ा और भूनें। अब टमाटर का पेस्ट डाल कर घी छोडने तक पकाएं। फिर 3 कप पानी डालें और काजू-किशमिश डालें तथा अच्छी तरह उबाल लें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें। तले हुए कोफ्ते बोल में सजा कर, उसके ऊपर गर्मा-गर्म ग्रेवी डालें तथा कसा पनीर, धनिया और गर्म मसाला छिड़क कर परोसें।

स्वादिष्ट पाव भाजी

सामग्री – एक आलू उबला एवं मैश किया हुआ, आधा कप हरे मटर, आधा कप शिमला मिर्च, एक फ्रैंचबीन, एक लौकी, 100 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया हुआ, आधा कप अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच प्याज बारीक कटा, 2 चम्मच हल्दी पाऊडर, आधा चम्मच पावभाजी मसाला, 2 चम्मच टोमैटो सॉस, एक चम्मच बारीक कुतरा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, छ-पाव

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल लें। फ्रैंचबीन के दोनों सिरे काट कर बीच में दो टुकड़े करें। लौकी छील कर मोटे टुकडों में काट लें। सभी सब्जियों को हैन्ड चॉपर में डालें और बारीक कर लें। एक प्रैशरपैन में प्याज भूनें और फिर पानी का छींटा मार कर अदरक-लहसुन भूनें। इसमें कद्दूकस किया टमाटर डाल कर दो मिनट चलाएं। सभी सब्जियां, पाव भाजी मसाला, नमक एवं हल्दी डालें। साथ ही एक कप पानी डाल कर एक सीटी आने तक पकाएं। प्रैशरपैन ठंडा होने पर डाल कर भाजी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसमें टोमैटो कैचअप भी डाल दें। हरे धनिए से सजाएं और पाव के साथ सर्व करें। पाव को बीच से काटें और ऐसे ही तवे पर गर्म कर लें।

दावते कड़ाही पनीर

सामग्री – 250 ग्राम पनीर, 2 शिमला मिर्च, 2-3 टमाटर, 2 प्याज मोटे कटे हुए, 2 हरी मिर्च, 6-7 कलियां लहसुन, 1 इंच लंबा टुकड़ा अदरक, 2 टेबलस्पून तेल या घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, थोड़ी-सी लाल मिर्च, एक-चौथाई छोटा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल कर उसे बारीक काट लें। अदरक, हरी मिर्च एवं लहसुन को मिक्सी में पीस लें। कड़ाही में तेल डाल कर गर्म करें तथा उसमें जीरा डाल कर भूनें, फिर उसमें हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, धनिया और गर्म मसाला डाल कर तब तक भूनें जब तक मसाला तेल न छोड़ दे। मसाले में टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं, उसके बाद शिमला मिर्च डाल कर 2-3 टेबलस्पून पानी और नमक स्वादानुसार डालें और ढक कर 4-5 मिनट के लिए पकाएं। जब शिमला मिर्च नर्म हो जाए तब पनीर को क्यूब के शेप में काटें और उसे भी कड़ाही में डाल दें। सब्जी को 2-3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें, कड़ाही पनीर बन कर तैयार है। हरा धनिया कड़ाही पनीर पर डालें और चपाती या नान के साथ परोसें।

चटपटे मूंगफली के दही-वड़े

सामग्री – 250 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच हरी मिर्च कटी हुई, 3 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार ऑलिव ऑयल, एक-चौथाई फ्रूट सॉल्ट, 2 कप पानी, 1 चम्मच शूगर फ्री, 4 चम्मच दही

गार्निशिंग के लिए – इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा और काली मिर्च पाऊडर, अदरक, भुनी मूंगफली

बनाने की विधि – सबसे पहले मूंगफली को हरी मिर्च और आवश्यकतानुसार पानी के साथ ग्राइंड कर लें। अब इसे बाऊल में निकाल कर उसमें बेसन, नमक, फ्रूट साल्ट मिलाएं। भीगे कपड़े पर इस मिक्सचर के छोटे-छोटे बॉल बना कर डालें और हल्के हाथों से दबाएं। अब इन्हें मध्यम आंच पर डीप फ्राई करें। बाऊल में गर्म पानी डाल कर उसमें वड़े को भिगोएं और हाथों से दबा कर अतिरिक्त पानी निकाल लें। अब चीनी मिला दही इन वड़ों के ऊपर डालें। इसे चटनी, जीरा, काली मिर्च पाऊडर, अदरक और भुनी मूंगफली से गार्निशिंग करके सर्व करें।

घर पर ही कर सकते हैं ऐसे व्यायाम

व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे- पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम

वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुरसी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एडियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्वीप करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम

पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुकें फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं।

अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे-धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जांघों की मजबूती के लिए व्यायाम

इसके लिए सबसे पहले बायीं तरफ करवट लेकर लेट जाएं, शरीर के ऊपरी हिस्से को कुहनी पर टिकाते हुए। अब दायीं टांग को इस तरह मोड़ें जिससे कि घुटना ऊपर की तरफ इशारा करता हुआ हो। अब दाएं पांव को हल्के मुड़े घुटने के पीछे ले आएं पेट अंदर की तरफ रखते हुए। ध्यान रहे कि बायां पांव छत की तरफ इशारा करता हुआ हो। बायीं टांग को काफी ऊंचा उठाएं। इसे 24 बार दोहराएं। अब दूसरी तरफ से इसे करें।

ऊपरी बाजू के लिए व्यायाम

ऊपरी बाजू में वही पहले जैसा खिंचाव व सही शेप देने के लिए व्यायाम बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है। कुरसी के किनारे बैठ जाएं व दोनों हाथों से कुरसी के किनारे थाम लें। कुरसी पर बैठे-बैठे ही आगे की तरफ बढ़ें जब तक कि आप कुरसी से नीचे न आ जाएं। अब धीरे-धीरे शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर व नीचे ले जाएं, बाजुओं को मोड़ते व सीधा करते हुए। इसे 12 बार दोहराएं।

खोखले दावे करते स्लिमिंग सेंटर आज हरी गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग यहां आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन वह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं।

मुझे किसी बल्लेबाज से डर नहीं लगता : बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने में सभी बल्लेबाज डरते हैं। वहीं जब इसके विपरीत बुमराह से पूछा गया कि उन्हें किस बल्लेबाज को गेंदबाजी करने से डर लगता है तो बुमराह का कहना था कि उन्हें किसी भी बल्लेबाज से डर नहीं लगता क्योंकि वह कौन सा बल्लेबाज खेल रहा है ये नहीं देखते। साथ ही कहा कि इससे कोई भी बल्लेबाज मेरे दिमाग पर हावी नहीं होता। मैं हर गेंद पर गंभीरता से ध्यान देता हूं चाहे कोई भी बल्लेबाजी कर रहा हो किसी प्रकार का दबाव नहीं लेता। साथ ही कहा कि मैं सभी बल्लेबाजों का सम्मान करता हूं पर मन ही मन मैं अपने से बात करते हुए कहता हूं कि यदि मैं अपना काम सही से करूंगा तो दुनिया में कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जो मुझे रोक सके। मैं विरोधी खिलाड़ी के बजाय अपने प्रदर्शन पर ध्यान देता हूं। हर चीज पर मेरा नियंत्रण है और अगर मैं अपने को सबसे अच्छा बनाने का अवसर देता हूं। इससे बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक हो जाती हैं।' गौर हो कि टी20 विश्व कप 2024 के बाद से बुमराह ने अभी तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है। वह आजकल ब्रेक पर पर हैं। टी20 विश्व कप 2024 के बाद भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और श्रीलंका का दौरा किया था। बुमराह दोनों ही दौरे पर टीम के साथ नजर नहीं थे। वहीं उनके बांग्लादेश के साथ अगले महीने होने वाली सीरीज में खेलने की भी संभावना नहीं है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को लगाना होगा अंकुश : बुकानन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जॉन बुकानन ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की जमकर प्रशंसा की है। बुकानन के अनुसार यशस्वी एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनपर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। इस पूर्व कोच के अनुसार अगर यशस्वी अपनी लय में रहे तो हमारे लिए सीरीज पर कब्जा करना कठिन रहेगा। साथ ही कहा कि अगर उनका बल्ला चला तो भारतीय टीम का सीरीज में पलड़ा भारी हो जाएगा। पूर्व कोच के अनुसार इस युवा भारतीय बल्लेबाज को खेलते हुए देखना रोमांचक होता है। उसने हालांकि अब तक ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर नहीं खेला है। यशस्वी के नाम अभी 9 टेस्ट मैचों में 1028 रन हैं जिसमें तीन शतक शामिल हैं। उनका 5 दिवसीय क्रिकेट में 68.53 का औसत है। वह दो दोहरे शतक और चार अर्धशतक लगा चुके हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के भारत दौरे में इस बल्लेबाज ने 5 मैचों और 9 पारियों में 79.91 की स्ट्राइक रेट से 712 रन बनाकर सीरीज में सबसे अधिक रन बनाये थे, इसमें दो दोहरे शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। वहीं एडिलेड ओवल में 6 से 10 दिसंबर तक होने वाला दूसरा टेस्ट दिन-रात प्रारूप में खेला जाएगा। इसके बाद, प्रशंसकों का ध्यान तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन के गाबा पर होगा, जो 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेलबर्न के मशहूर मेलबर्न क्रिकेट मैदान में 26 से 30 दिसंबर के बीच पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा। वहीं 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट मैदान में 5वां और अंतिम टेस्ट खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ अगले माह छह दिवसीय टेस्ट खेलेगी न्यूजीलैंड

मुम्बई। आजकल जहां टी20 क्रिकेट की धूम है ओर छोटे प्रारूप की कई लीग दुनिया भर में खेली जा रही हैं। वहीं न्यूजीलैंड की टीम इसके विपरीत छह दिन का टेस्ट मैच खेलने रही है। यह करीब 3 साल में दूसरा बार होगा जब न्यूजीलैंड टीम छह दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड टीम ये मैच श्रीलंका के साथ खेलेगी। ये टेस्ट मैच 18 से 23 सितंबर के बीच खेला जाएगा। इसमें चौथे दिन आराम रहेगा। इससे पहले अंतिम बार छह दिवसीय टेस्ट मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। यह डब्ल्यूटीसी फाइनल 2021 का मुकाबला था। इस मैच में एक अतिरिक्त दिन रखा गया था जिससे मौसम या किसी और कारण से अगर खेल नहीं हो पाये तो भी मैच का परिणाम निकल सके। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच इस छह दिवसीय मैच को आयोजित करने का कारण ये है कि श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने जा रहे हैं और मैच के दौरान चौथे दिन मतदान होना है। इस कारण देश में छुट्टी रहेगी। इसी कारण टेस्ट मैच में भी आराम का दिना होगा। 21 वीं सदी में यह सिर्फ दूसरा मौका होगा जब कोई टेस्ट मैच छह दिन का होगा। इन दो मैचों के अलावा अंतिम बार छह दिवसीय मैच 1993 में श्रीलंका और वेस्टइंडीज के जबकि 1990 में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच खेला गया था।

NEW ZEALAND CRICKET

शाह के चेयरमैन बनने से भारतीय टीम के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक आने की उम्मीद बढ़ी : राशिद लतीफ

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा है जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के कारण अब भारतीय टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान आने की संभावनाएं काफी बढ़ गयी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान में खेली जाएगी पर अभी तक भारतीय टीम के इसमें शामिल होने के लिए पाक जाने की कोई उम्मीद नहीं दिखती है पर राशिद के अनुसार शाह के आईसीसी प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम का पाक पहुंचना पचास फीसदी तय हो गया है। लतीफ ने कहा कि शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने में पाक की भी सहायता रही है। अगर ऐसा नहीं होता तो वह निर्विरोध नहीं चुने जाते। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि शाह ने अब तक क्रिकेट को आगे बढ़ाने का ही काम किया है। फिर चाहें वह बीसीसीआई के लिए हो या आईसीसी के लिए। शाह आईसीसी चेयरमैन का पद 1 दिसंबर से संभालेंगे। वहीं अब तक कहा गया है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों चैंपियंस ट्रॉपी के लिए पाकिस्तान का दौरा शायद ही करे। दोनों देशों के बीच राजनितिक तनाव भी इसका एक कारण है। ऐसे में एशिया कप की तरह ही इसमें भी हाइब्रिड मॉडल अपनाने की बात कही गयी है। जिससे भारतीय टीम किसी अन्य देश में अपने मुकाबले खेल सके।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गरजेगा समित द्रविड का बल्ला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड के बेटे समित द्रविड एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की अंडर 19 टीम में अपनी जगह बनाते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल किया है। बीसीसीआई ने समित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया है। 18 वर्षीय ऑलराउंडर समित द्रविड हाल ही में हुए महाराजा टी20 केएससीए टूर्नामेंट में सुर्खियों में थे, जहां उन्होंने मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए एक शानदार छक्का लगाया। हालांकि, हाल ही में समाप्त हुई महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूरू वॉरियर्स के लिए उनका प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिससे चयनकर्ताओं का ध्यान उन पर गया। समित ने सात मैचों में 82 रन बनाए, जिसमें गुलबर्गा मिस्टिक्स के खिलाफ 33 रन उनका सर्वोच्च स्कोर था। इस प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट में ज्यादा सफलता नहीं दिलाई, लेकिन उनकी क्षमता और संभावनाओं को देखते हुए उन्हें अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। पिछले कुछ समय में समित ने घरेलू अंडर-19 टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उन्होंने चार पारियों में 122 रन बनाए, जबकि कूच बिहार ट्रॉफी में 362 रन और 16 विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

अब समित ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे, इसके बाद चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि समित अपने पिता की तरह भारतीय क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण और भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में उभरेंगे।

एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम के इस प्रकार हैं – मोहम्मद अमान (कप्तान), रुद्र पटेल (उप-कप्तान), साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडु, (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान।

व्यापार

देश के शेयर बाजारों में सप्ताह भर तेजी रही

- सेंसेक्स 231 अंकों की बढ़त के साथ 82,365 पर बंद
- निफ्टी 83.96 अंक मजबूत होकर 25,235 पर बंद

मुंबई। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और घरेलू निवेशकों की खरीदारी के समर्थन के दौरान बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में तेजी दर्ज की गई। सप्ताह की शुरुआत में बढ़त पर खुले शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह भर के कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। भारतीय बेंचमार्क सूचकांक एसएंडपी सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सोमवार को मजबूती के साथ शुरुआत की। बीएसई सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,304 पर खुला और 611.90 अंक चढ़कर 81,698 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 24,906 के स्तर पर 0.33 प्रतिशत बढ़कर खुला और 187.45 अंकों की मजबूती के साथ 25,010.60 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी दिन भारतीय प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 की सुस्त शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स .07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,640.15 पर खुला और 13.65 अंकों की बढ़त के साथ 81,711.76 पर बंद हुआ। निफ्टी 50, 25,024 के स्तर खुला और 7.16 की बढ़त के साथ 25,017.75 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 261.85 अंक मजबूत होकर 81,990.56 के स्तर पर खुला और 73.80 अंक मजबूत होकर 81,785.56 पर बंद हुआ। निफ्टी 84.71 अंक उछलकर 25,102.45 के स्तर पर खुला और 34.60 अंकों की बढ़त के साथ 25,052.35 पर बंद हुआ। एनवीडिया के नतीजों के बाद बुधवार की रात अमेरिकी बाजार में आई गिरावट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखा गया। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गुरुवार को कमजोर रही। बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 लाल रंग में खुले। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत नीचे 81,717 पर खुला और 349.05 अंक उछलकर पहली बार 82,134.61 के नए स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 0.11 प्रतिशत नीचे 25,023 पर खुला और 99.60 अंक बढ़कर 25,151.95 के नए समापन स्तर पर बंद हुआ। गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स से मिल रहे रुझानों और वैश्विक बाजारों में उछाल की वजह से घरेलू शेयर बाजार ने शुक्रवार के कारोबारी दिन तेजी के साथ शुरुआत की। बीएसई सेंसेक्स 324.46 अंक की बढ़त के साथ 82,459.07 पर खुला और 231.16 (0.28 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 82,365.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 50, 89.30 अंक की बढ़त के साथ 25,241.25 पर खुला और 83.96 (0.33 फीसदी) अंकों की मजबूती के साथ 25,235.90 के स्तर पर बंद हुआ।

अदाणी पोर्ट्स ने एस्ट्रो ऑफशोर में खरीदी 80 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने एस्ट्रो ऑफशोर में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए करार किया है। यह सौदा नकद किया गया है। इसकी कीमत 18.5 करोड़ डॉलर (लगभग 1,551 करोड़ रुपये) है। एस्ट्रो ऑफशोर अपतटीय सहायता पोत कंपनी है। इस सौदे के लिए किसी नियामकीय मंजूरी की आवश्यकता नहीं है और यह लेनदेन एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है, जो परिचालन शर्तों को पूरा करने पर निर्भर करेगा। एपीएसईजेड के बयान के अनुसार इस सौदे में 23.5 करोड़ डॉलर का ईवी और ईवी/वित्त वर्ष 25 का अनुमानित एबिटा 4.4 गुना रहेगा। उम्मीद की जा रही है कि इस सौदे से पहले साल से ही मूल्य वर्धन होने लगेगा। एस्ट्रो ऑफशोर पश्चिम एशिया, भारत, सुदूर पूर्व एशिया और अफ्रीका में वैश्विक अपतटीय सहायता पोत (ओएसवी) परिचालक है। इसके पास 26 ओएसवी का बेड़ा है, जिसमें एंकर हैंडलिंग टग (एएचटी), फ्लैट-टॉप बार्ज, मल्टीपर्पज सपोर्ट वेसल (एमपीएसवी) और वर्कबोट शामिल हैं। कंपनी पोत प्रबंधन और पूरक सेवाएं प्रदान करती है। एपीएसईजेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एस्ट्रो का अधिग्रहण दुनिया के सबसे बड़े समुद्री परिचालकों में से एक बनने के हमारी योजना का हिस्सा है। एस्ट्रो हमारे 142 टग और ड्रेजर के मौजूदा बेड़े में 26 ओएसवी जोड़ेगी, जिससे कुल संख्या 168 हो जाएगी। इस अधिग्रहण से हमें बड़े वाले ग्राहकों की प्रभावशाली सूची तक पहुंच मिलेगी जबकि अरब की खाड़ी, भारतीय उपमहाद्वीप और सुदूर पूर्व एशिया में हमारी मौजूदगी और मजबूत होगी।

आरबीआई के नाम से कॉल आए तो सतर्क रहें, नहीं तो साफ हो जाएगा बैंक खाता

नई दिल्ली। आरबीआई के नाम से कोई भी फोन कॉल आए तो सतर्क हो जाएं, केंद्रीय बैंक ने अपनी कोई भी जानकारी किसी के साथ शेयर करने से साफ मना किया है। बैंक ने साइबर क्रिमिनल्स के ठगी करने के तरीकों को भी बताया। साइबर ठग आरबीआई के फर्जी लेटर हेड या ईमेल एड्रेस का इस्तेमाल करते हैं। खुद को केंद्रीय बैंक कर्मचारी बताते हैं। यूजर को भारी भरकम लॉटरी जीतने या सरकारी योजनाओं का लाभार्थी बनने जैसे लालच देकर फंसाते हैं। फिर उनका अकाउंट साफ कर देते हैं। आरबीआई के मुताबिक कई बार जालसाज खुद को सरकार या फिर केंद्रीय बैंक का अधिकारी बनकर संपर्क करते हैं। उनसे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट या योजना की आड़ में सिक्योरिटी डिपॉजिट करने को कहते हैं। जालसाज कई बार डरा-धमकाकर भी ठगी की कोशिश करते हैं। इसमें पीड़ितों से कॉल, एसएमएस या मेल के जरिए संपर्क किया जाता है। उनके अकाउंट को फ्रीज या ब्लॉक करने की धमकी दी जाती है। उन्हें कुछ फर्जी किस्म के लिंक से ऐप भी डाउनलोड करने के लिए बहकाया या मजबूर किया जाता है। इसके जरिए यूजर्स की कई निजी जानकारियां उन ठगों के हाथ लग जाती है। आरबीआई का कहना है कि यूजर्स को अपनी कोई भी निजी जानकारी दूसरों के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी बैंक या बैंक कर्मचारी को यूजर्स से फोन या ईमेल के जरिए ओटीपी या कोई अन्य जानकारी मांगने की इजाजत नहीं है। अगर कोई शख्स फोन कर खुद को सरकारी अधिकारी या बैंक कर्मचारी बताकर ऐसी जानकारी मांगता है, तो तत्काल इसकी शिकायत पुलिस को करनी चाहिए।

बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

नई दिल्ली। भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। बिहार में पेट्रोल 22 पैसे घटकर 107.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 पैसे घटकर 93.81 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं यूपी में पेट्रोल 31 पैसे घटकर 94.25 रुपये प्रति लीटर और डीजल 7 पैसे घटकर 87.57 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके इलावा महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 20 पैसे घटकर 104.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 90.77 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं देश के महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

एलन मस्क ने एक्स अकाउंट को किया बंद, नफरत भरे कमेंट करता था

नई दिल्ली। एक जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, उसने हाल ही में भारतीय, अफ्रीकी और यहूदी पर जातिवादी और आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले अकाउंट को सस्पेंड कर दिया है। ट्विटर ने कहा कि प्लेटफॉर्म पर नस्लीय, सांप्रदायिक और अन्य भेदभावपूर्ण टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ समय में कई अकाउंट्स पर भारतीय, अफ्रीकी और यहूदी लोगों के खिलाफ अपमानजनक और जातिवादी टिप्पणियां की गई थीं, जो न केवल इन समुदायों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रही थीं, बल्कि प्लेटफॉर्म की सुरक्षा और सम्मान को भी प्रभावित कर रही थीं। गौरतलब है दें कि यह अकाउंट यूके के कमीडियन बैरी स्टेनटन के नाम पर बना फर्जी अकाउंट था। इसके करीब 2 लाख फॉलोअर्स थे। ट्विटर ने अपनी नीतियों में बदलाव करते हुए स्पष्ट किया है कि जातिवादी और भेदभावपूर्ण सामग्री को कोई भी स्वीकृति नहीं होगी। इससे पहले ट्विटर ने अपनी कॉन्टेंट पॉलिसी को अपडेट किया था, जिसमें नफरत भरी टिप्पणियों और भेदभावपूर्ण स्पीच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात की गई थी। ट्विटर ने उन अकाउंट्स पर कार्रवाई की है जो बार-बार नफरत भरी टिप्पणियां कर रहे थे। इन अकाउंट्स को स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है और इनके पोस्ट और कमेंट्स को प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। ट्विटर ने यूजर्स को अपमानजनक सामग्री की रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान की है। इसके अतिरिक्त प्लेटफॉर्म पर बेहतर मॉडरेशन प्रणाली लागू की गई है, ताकि भेदभावपूर्ण कॉन्टेंट को जल्दी से हटाया जा सके।

बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का संघर्ष जारी

वेदा का पैकअप होना तय

श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2 ने जहां अक्षय कुमार की 'खेल खेल में का पूरा खेल बिगाड़ कर रख दिया है तो वहीं जॉन अब्राहम की 'वेदा को भी चारों खाने चित्त कर दिया है. 15 अगस्त के मौके पर एक साथ रिलीज हुई इन तीनों फिल्मों में 'स्त्री 2 हर दिन करोड़ों में नोट छाप रही है वहीं 'खेल खेल में और 'वेदा के लिए चंद लाख रुपये कमाना भी पहाड़ जैसा हो गया है. हालांकि 'खेल खेल में तो पूरी जद्दोजहद लगाकर मु_ीभर कमाई कर भी रही है लेकिन 'वेदा बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह चौपट हो चुकी है. चलिए यहां जानते हैं अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की फिल्मों ने रिलीज के 14वें दिन कितना कलेक्शन किया है? अक्षय कुमार ने काफी उम्मीदें लगाई थीं कि उनकी लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करेगी. दरअसल एक्टर की इस साल रिलीज हुई पिछली दो फिल्में 'बड़े मियां और छोटे मियां और 'सरफिरा बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी. लेकिन 'खेल खेल में ने भी एक्टर की टेंशन को बढ़ाया ही है. रिलीज के दो हफ्ते पूरे होने को हैं लेकिन 100 करोड़ के बजट में बनी 'खेल खेल में 30 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है. मुदस्सर अजीज निर्देशित इस फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले हफ्ते में 'खेल खेल में ने 19.35 करोड़ कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते के दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 70 लाख, दूसरे शनिवार 1.35 करोड़, दूसरे रविवार 1.75 करोड़, दूसरे मंडे 85 लाख, दूसरे मंगलवार 80 लाख का कारोबार किया हैं. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 14वें दिन की कमाई के शुरूआती आंकड़े आ गए हैं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'खेल खेल में ने रिलीज के 14 वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 65 लाख का बिजनेस किया है. इसी के साथ 'खेल खेल में का 14 दिनों का कुल कलेक्शन अब 25.24 करोड़ रुपये हो गया है. 'स्त्री 2 की आंधी के आगे 'वेदा तो पूरी तरह उड़ चुकी है. इस फिल्म की ओपनिंग तो अच्छी हुई थी लेकिन फिर जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की इस एक्शन पैक्ड फिल्म की कमाई पर ऐसा ग्रहण लगा कि ये पहले हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर लुढ़क गई. ये फिल्म अब पटरी से उतर चुकी है और इसके लिए चंद लाख कमाना भी बेहद मुश्किल हो रहा है. 'वेदा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट चुकी है. इन सबके बीच कमाई की बात करें तो 'वेदा ने पहले हफ्ते में 17.6 करोड़ कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते के दूसरे शुक्रवार 'वेदा का कलेक्शन 30 लाख, दूसरे शनिवार 55 लाख, दूसरे रविवार 80 लाख, दूसरे सोमवार 45 लाख और दूसरे मंगलवार को 29 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार की कमाई के शुरूआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'वेदा ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 23 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'वेदा का 14 दिनों का कुल कलेक्शन अब 20.22 करोड़ रुपये हो गया है.

फिल्म स्वयंभू के लिए घुड़सवारी व तीरंदाजी की ट्रेनिंग ले रहीं अभिनेत्री संयुक्ता मेनन

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी आगामी फिल्म स्वयंभू के लिए निखिल सिद्धार्थ के साथ कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह फिल्म के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और पार्कौर का प्रशिक्षण ले रही हैं। हाल ही में, संयुक्ता ने इंस्टाग्राम पर घुड़सवारी सीखने की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने ल?खि़ा क?ि यह अनुभव उनके लिए कितना आध्यात्मिक है। उन्होंने लिखा, एक एक्?टर के रूप में मैं दैनिक आधार पर अलग-अलग चीजों का अनुभव करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। अपनी अगली फिल्म, स्वयंभू के लिए, मैं घुड़सवारी सीख रही हूं और मुझ पर विश्वास करें, यह एक आध्यात्मिक यात्रा रही है। घोड़े के साथ सामंजस्य और तालमेल में रहना, घोड़े की आत्मा में गहराई से देखना और यह सुनिश्चित करना कि हम एक टीम के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं, सुंदर और आनंददायक है! मैंने प्रत्येक गिरावट को एक सीढ़ी के रूप में लिया, बाधा के रूप में नहीं। स्वयंभू एक ऐसे सम्राट की कहानी है, जिसने इतिहास में स्वर्ण युग की स्थापना की। इसका निर्देशन भरत कृष्णमाचारी और आदित्य बहुधानम ने किया है। संयुक्ता, चरण तेज उप्पलापति द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी। यह चरण तेज के निर्देशन में पहली फिल्म होगी। इसमें काजोल, प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन और जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम हैं। यह फिल्म एक प्रतिशोधी मिशन पर निकली महिला माया (काजोल) के बारे में एक रिवेंज ड्रामा है। वह जीतू जोसेफ द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म राम में भी नजर आएंगी। यह दो हिस्सों वाली फिल्म सीरीज की पहली सीरीज है। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। रॉ एजेंट राम मोहन को एजेंसी द्वारा बेल नामक आतंकवादी समूह से निपटने के लिए बुलाया जाता है, जिसके पास भारत को नष्ट करने में सक्षम परमाणु हथियार हैं। संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला नायक, बिम्बिसार, गालीपता 2, वाथी और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में देखा गया।

नागार्जुन का बर्थडे पर फैंस को तोहफा

खूबसूरत मुस्कान संग कुबेर से न्यू लुक पोस्टर रिलीज

साउथ किंग नागार्जुन ने 65 वां बर्थडे पर उन्होंने फैंस को शानदार गिफ्ट दिया है. उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कुबेर से नया पोस्टर रिलीज किया. जिसमें वे खूबसूरत मुस्कान बिखेरते हुए नजर आ रहे हैं. कुबेर के मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- हम नागार्जुन सर का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं जिनकी स्क्रीन पर प्रेजेंस सभी को मंत्रमुग्ध कर देती है. फिल्म कुबेर में साउथ एक्टर धनुष लीड रोल प्ले कर रहे हैं. पिछले महीने ही धनुष के बर्थडे पर मेकर्स ने उनका लुक पोस्टर रिलीज किया गया था. जिसमें धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है. बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं. इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक गरीब इंसान का रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे. इस फिल्म में रश्मिका मंदाना का भी खास रोल है और उनका लुक भी मेकर्स ने पहले ही शेयर कर दिया है. जिसमें वे एक गड्ढे से पैसों से भरा बैग निकालते हुए दिखाई दे रही हैं. धनुष, नागार्जुन और रश्मिका स्टारर कुबेर दिसंबर 2024 में रिलीज होने जा रही है. कुबेर में धनुष, नागार्जुन और रश्मिका खास रोल में हैं वहीं शेखर कम्मुला ने इसे निर्देशित किया है. यह एक पैन इंडिया फिल्म है जिसे तमिल, तेलुगु और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है. नागार्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे पिछली बार ना सामी रांगा में दिखे थे जो जनवरी 2024 में रिलीज हुई वहीं उनकी पिछली बॉलीवुड रिलीज ब्रह्मास्त्र थी जिसमें वे खास रोप में दिखे थे. अब वे धनुष की कुबेर में नजर आएंगे.

थलपति विजय की गोट हुई रीसेंसर्ड

नए सीन जुड़ने के बाद 3 घंटे से ज्यादा हो गया फिल्म का रनटाइम

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की गोट यानी द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को टीम ने एक बार फिर सेंसर किया है. टीम ने फिल्म में नए सीन्स हैं. वेंकट प्रभु की निर्देशित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. विजय की अपकमिंग फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से यू/ए सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है. इस सर्टिफिकेशन के बाद मेकर्स ने नए सीन्स के साथ

फिल्म को रीसेंसर किया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में कुछ गलत सीन्स जोड़े गए हैं, जो निर्देशक वेंकट प्रभु की फिल्मों में अक्सर देखने को मिलते हैं. सोशल मीडिया पर सामने आई फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम से तीन सेकंड की फुटेज हटा दी गई है, जबकि दो सेकंड की फुटेज बदल दी गई है. गोट का अंतिम रनटाइम अब तीन घंटे और तीन मिनट है. इससे पहले गोट का रनटाइम 2.45 मिनट था. डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने 21 अगस्त को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी. उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है. तमिलनाडु में गोट के लिए एडवांस टिकट बुकिंग 30 अगस्त से शुरू होगी. तमिलनाडु के अलावा थलपति विजय की फिल्म पड़ोसी राज्यों में सुबह के शो सुबह 4 बजे से ही शुरू होंगे. गोट विजय की 68वीं फिल्म है, ऐसे में विजय और वेंकट प्रभु की जोड़ी को लेकर फैंस और दर्शक काफी एक्साइटेड हैं. विजय और वेंकट प्रभु की यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

रकुल प्रीत सिंह ने सिजलिंग येलो बॉडीकॉन ड्रेस पहन गिराई बिजली

देखिए एक्ट्रेस का कातिल अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर बवाल मच जाता है। हालांकि इन फोटोज में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में येलो कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट दिखाई दे रही हैं। खुले बाल, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

अनन्या पांडे की सीरीज कॉल मी बे का फर्स्ट ट्रैक वेख सोनिया रिलीज

एक्ट्रेस ने शेयर किया एक्सपीरियंस

अनन्या पांडे की मोस्ट अवेटेड सीरीज कॉल मी बे का ट्रेलर रिलीज होते ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है. इसी बीच आज सीरीज का पहला गाना वेख सोनेया भी रिलीज कर दिया गया है. जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. इसी बीच गाने को लेकर अनन्या ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने बताया कि किस तरह से इस सॉन्ग के साथ उनके इमोशंस जुड़े हुए हैं. सीरीज के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा- ट्रेलर रिलीज होने के बाद लोगों का प्यार और एक्साइटमेंट देखकर मैं बहुत खुश हूं. मैं अपने किरदार बेला और सीरीज के बारे में इससे बेहतर कुछ नहीं सोच सकती. जब मैंने पहली बार 'वेख सोनेया सुना, मैं उससे जुड़ गई, इसने वाकई मेरा दिल जीत लिया और मेरी प्लेलिस्ट में बार-बार बजता रहा. ऐसा शानदार गाना बनाने के लिए म्यूजिक टीम को बहुत-बहुत बधाई, जिसने मेरे साथ ही काफी लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया. सॉन्ग को आवाज देने वाले म्यूजिशियन चरण ने कहा, 'वेख सोहनेया एक अलग ही एक्सपीरियंस देने वाला गाना है. हम एक ऐसा गाना बनाना चाहते थे जो सीरीज के इमोशंस को अच्छी तरह दर्शा सके. जो अनन्या के किरदार बॉम्बे की वाइब्स को दर्शाता हो. मैं इस ट्रैक के साथ कॉल मी बे की दुनिया में कदम रखने वाले दर्शकों के लिए काफी एक्साइटेड हूं. धर्मा एंटरटेनमेंट की नई रिलीज कॉल मी बे को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा की तिकड़ी ने प्रोड्यूस किया है. इस सीरीज के आठ एपिसोड हैं जिसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा, मिनी माथुर जैसे कलाकार शामिल हैं. कॉल मी बे 6 सितंबर को भारत और 240 देशों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है.

फिल्म युध्रा का ट्रेलर जारी, फुल एक्शन मोड़ में दिखे सिद्धांत चतुर्वेदी, ड्रग्स के खिलाफ लडेंगे बड़ी लड़ाई

सिद्धांत चतुर्वेदी पिछली बार फिल्म खो गए हम कहां में नजर आए थे। इस फिल्म में अनन्या पांडे और अभिनेता आदर्श गौरव उनके साथ थे। ओटीटी पर आई उनकी इस फिल्म की कहानी और इसमें उनके अभिनय की तारीफ हुई थी।फिल्म गली बॉय से मशहूर हुए सिद्धांत की अगली फिल्म युध्रा की घोषणा काफी पहले हो गई थी और अब आखिरकार फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसका इंतजार सिद्धांत के प्रशंसकों को बड़ी बेसब्री से था। ट्रेलर में सिद्धांत का खतरनाक

अवतार देखने को मिल रहा है, जो इससे पहले कभी पर्दे पर नहीं दिखा। उधर विलेन बने राघव जुयाल भी अपने दमदार अंदाज से दिल जीत लेते हैं, वहीं अभिनेत्री मालविका मोहनन की मौजूदगी कहानी में रोमांच और सस्पेंस जोड़ जाती है।इस फिल्म में खूब खून-खराबा देखने को मिलेगा। युध्रा एक्शन से भरपूर फिल्म है, जिसकी शूटिंग भारत और विदेशों में की गई है। निर्माताओं ने सिद्धांत को फिल्म में एंग्री यंग मैन के रूप में पेश करने की योजना बनाई है,जो फिल्म के ट्रेलर में भी देखने को मिल रहा है।यह फिल्म 20 सितंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी।